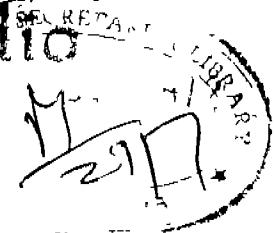


# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 26]

नई विलो, शनिवार, जून 24 1972/आषाढ़ 3, 1894

No. 26]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 24, 1972/ASADHA 3, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के क्षम में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation.

## भाग II—कानून 3—उपलब्ध (i)

## PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संव राज्य-अधीनों के प्रशासनों ने  
छोड़ कर) केन्द्रीय प्राविकारियों द्वारा जारी किये गये विधि के प्रत्यर्थ बनाए और जारी किये  
गये लालारण नियम (जिनमें साधारण प्रहार के आदेश, उप-विधम प्राविस्त्रिय हैं)।

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories).

## CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel)

New Delhi, the 31st May 1972

G.S.R. 755.—In pursuance of rule 23 read with clause (hh) of rule 2 of the Central Secretariat Service Rules, 1962, the Central Government in the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat hereby makes the following regulations to amend the Central Secretariat Service (Preparation of Common Seniority Lists) Regulations, 1970, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Central Secretariat Service (Preparation of Common Seniority Lists) (Amendment) Regulations, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Secretariat Service (Preparation of Common Seniority List) Regulations, 1970, in regulation 3,

(a) in sub-regulation (1), the word "permanent" shall be omitted, and

(b) in sub-regulation (2).—(i) in clause (b), in the opening paragraph, for the words "following manner", the words "following order" shall be substituted; (ii) after clause (b), the following clause shall be inserted, namely:—

"(c) Select List officers not yet confirmed in the Assistants' Grade shall be arranged according to the length of their approved service in the Grade."

[No. F. 10/4/72-CS-II(i).]

## मंत्रिमण्ड़ / सचिवालय

(कार्मिक विभाग)

नई दिल्ली, 31 मई, 1972

सा० का० नि० 755—केन्द्रीय सचिवालय सेवा नियम, 1962 के नियम 2 की धारा (जज) के साथ पठित नियम 23 अनुसरण में केन्द्रीय सरकार के मंत्रिमण्डल सचिवालय का कार्मिक विभाग केन्द्रीय सचिवालय सेवा (मिली जुली वरिष्ठता सूची का योजन) नियम, 1970 में संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) ये विनियम केन्द्रीय सचिवालय सेवा (मिली जुली वरिष्ठता सूची का योजन) (संशोधन) विनियम, 1972 कहलाये जा सकेंगे।
- (2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा (मिली जुली वरिष्ठता सूची का योजन) विनियम, 1970 में विनियम 3 के—

- (क) उप-विनियम 1 में दिया गया “स्थायी” शब्द हटा दिया जायगा, और
- (ख) उप-विनियम (2) की—
  - (i) धारा (ख) में आगम्भ के पैराग्राफ में “निम्नलिखित लंग में” शब्दों के स्थान पर “निम्नलिखित क्रम में” शब्द प्रतिस्थापित किया जाएंगे,
  - (ii) धारा (ख) के बाद निम्नलिखित धारा जोड़ी जायगी, अर्थात् :—
- (ग) प्रवरण सूची के एसे अधिकारी जिन्हें अभी तक सहायक ग्रेड में स्थायी नहीं किया गया हो उस ग्रेड में उनकी अनुमोदित सेवावधि के अनुसार योजित किए जाएंगे।”

[सं० 10/4/72-सी० एम० II]

**G.S.R. 756.**—In pursuance of rule 24, read with clause (hh) of rule 2 of the Central Secretariat Stenographers Service Rules, 1969, the Central Government in the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat hereby makes the following regulations further to amend the Central Secretariat Stenographers Service (Preparation of Common Seniority Lists) Regulations, 1971, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Central Secretariat Stenographers Service (Preparation of Common Seniority Lists) (Second Amendment) Regulations, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Secretariat Stenographers Service (Preparation of Common Seniority Lists) Regulations, 1971 in regulation 3,—

(a) in sub-regulation (1), the word “permanent” shall be omitted;

(b) in sub-regulation (3),—

(i) for the opening paragraph the following shall be substituted, namely:—

“Subject to their interse seniority in their respective cadre being maintained, the names of officers in the same grade shall be arranged in a single list, permanent officers being placed above temporary officers, in the following manner namely:—”

(ii) for the opening paragraphs under the headings “I-Grade I”, “II-Grade II” and “III-Grade III” the following shall be substituted, namely:—

“In each category, permanent or temporary, as the case may be, the names of Officers shall be arranged in the following order, namely:—”

[No. F. 10/4/72-CS-II(1).]

सा० का० नि० 756 :—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1969 के नियम 2 की धारा (जज) के साथ पठित नियम 24 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार के मंत्रिमण्डल सचिवालय का कार्मिक विभाग केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा (मिली जुली वरिष्ठता सूची का योजना) विनियम, 1971 में और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:—

1. (1) ये विनियम केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा मिली जुली वरिष्ठता सूची का योजना (द्वितीय संशोधन) विनियम, 1972 कहलाये जा सकेंगे।

(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा (मिली जुली वरिष्ठता सूची का योजना) विनियम, 1971 में विनियम 3 के—

(क) उप-विनियम 1 में दिया गया “स्थायी” शब्द हटा दिया जायेगा ; और

(ख) उप विनियम (3) में:—

(1) आगम्भ के पैराग्राफ के स्थान पर निम्नलिखित पैराग्राफ प्रतिस्थापित किया जायेगा अर्थात्:—

“उनके तत्सम्बन्धित संबंध में उनकी पारस्परिक वरिष्ठता बनाए रखते हुए उसी ग्रेड के अधिकारियों के नाम एक ही सूची में योजित किए जाएंगे जिसमें स्थायी अधिकारियों के नाम एक ही सूची में योजित किए जाएंगे जिसमें स्थायी

अधिकारियों के नाम ऊपर और अस्थायी अधिकारियों के नाम उनके बाद में रखे जाएंगे, अर्थात्:—

(2) पीर्षक I, "II-प्रेड"-II प्रेड" और "III-प्रेड प्रेड III" के अन्तर्गत आरम्भ के पैराप्राफ के स्थान पर निम्नलिखित पैराप्राफ प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

"प्रत्येक वर्ग में स्थायी या अस्थायी अधिकारियों के नाम, यथास्थिति, निम्नलिखित क्रम से योजित किए जाएँगे, अर्थात्:—

[सं. 10/4/72-सी०एस०-II(ii)]

**G.S.R. 757.**—In pursuance of rule 22 read with clause (hh) of rule 2 of the Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962, the Central Government in the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat hereby makes the following regulations further to amend the Central Secretariat Clerical Service (Preparation of Common Seniority Lists) Regulations, 1971, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Central Secretariat Clerical Service (Preparation of Common Seniority Lists) (Second Amendment) Regulations, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Secretariat Clerical Service (Preparation of Common Seniority Lists) Regulations, 1971 in regulation 3,—

(a) in sub-regulation (1), the word "permanent" shall be omitted;

(b) in sub-regulation (2),

(i) for the opening paragraph, the following shall be substituted, namely:—

"Subject to their inter-se seniority in their respective cadre being maintained, the names of officers in the same grade shall be arranged in a single list, permanent officers being placed above temporary officers in the following manner namely:—";

(ii) in clause (a) under the heading "I-Upper Division Grade", for the word "substantively", the word "regularly" shall be substituted.

[No. F. 10/4/72-CS-II(ili).]

**सा०का०नि० 757.**—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा नियम 1962 के नियम 2 की धारा (ज ज) के साथ पठित नियम 22 के अनुसरण में केन्द्रीय मरकार के मन्त्रिमण्डल सचिवालय का कार्यक्रम विभाग केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (मिलीजुली वरिष्ठता सूची का योजन) विनियम, 1971 में और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:—

1. (1) ये विनियम केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (मिलीजुली वरिष्ठता सूची का योजन) (द्वितीय संशोधन) विनियम, 1972 कहलाये जा सकेंगे।

(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा (मिलीजुली वरिष्ठता सूची का योजन) विनियम, 1971 में विनियम 3 क—

(क) उप-विनियम 1 में दिया गया "स्थायी" शब्द हटा दिया जायगा,

(ख) उप-विनियम 2 में—

(1) आरम्भ के पैराप्राफ के स्थान पर निम्नलिखित पैराप्राफ प्रतिस्थापित किया जायगा, अर्थात् :—

"उनके तत्सम्बन्धित संबंध में उनकी पारस्परिक वरिष्ठता बनाए रखते हुए उसी प्रेड के अधिकारियों के नाम एक ही सूची में योजित किए जाएंगे, जिसमें स्थायी अधिकारियों के नाम ऊपर और अस्थायी अधिकारियों के नाम उनसे निम्न रखे जाएंगे, अर्थात् :—

2. पीर्षक "1—उच्च श्रेणी प्रेड" के अन्तर्गत "मौलिक रूप से" शब्दों के स्थान पर "नियमित रूप से" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[संख्या 10/4/72-सी०एस०-II(iii)]

**G.S.R. 758.**—In pursuance of the provisions of sub-rule (4) of rule 12 of the Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962, the Central Government in the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat hereby makes the following regulations further to amend the Central Secretariat Clerical Service (Lower Division Grade Competitive Examination for Class IV Staff) Regulations, 1969, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Central Secretariat Clerical Service (Lower Division Grade Competitive Examination for Class IV Staff) (Amendment) Regulations, 1972.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 27th day of November, 1971.

2. In the Central Secretariat Clerical Service (Lower Division Grade Competitive Examination for Class IV Staff) Regulations, 1969,

(a) for the words "Secretariat Training School" wherever they occur, the words "Institute of Secretariat Training and Management" shall be substituted.

(b) in regulation 6 and clause (a) of regulation 9, for the words "said School", the words "said Institute" shall be substituted.

#### Explanatory Memorandum

The name of the Secretariat Training School was changed with effect from 27th November, 1971, to "The Institute of Secretariat Training and Management". It has, therefore, become necessary to give

the amendments to the regulations retrospective effect. It is, however, certified that the interests of no one will be prejudicially affected by the retrospective effect given to the notification.

[No. 6/13/71-CS-II(i).]

**सांका० नि० 758.—**केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा नियम, 1962 के नियम 12 के उप-नियम (4) के उपदर्शों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार के मंत्रीमंडल सचिवालय का कार्मिक विभाग केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिये वरश्रेणी ग्रेड (प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1969 का और संशोधन करते के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है अर्थात् :—

1. (1) ये विनियम केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए अवर श्रेणी ग्रेड (प्रतियोगिता परीक्षा) (संशोधन) विनियम, 1972 कहे जाएंगे।

(2) ये विनियम, तारीख 27 नवम्बर, 1971 से लागू हुए समझे जाएंगे।

2. केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा ग्रेड-I (चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए अवर श्रेणी ग्रेड प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1969 में —

(क) जहाँ कहीं “सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल” शब्द आए हों उनके स्थान पर “सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(ख) विनियम 6 और विनियम 9 के खण्ड (क) में “उच्च स्कूल” शब्दों के स्थान पर “उच्च संस्थान” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

#### व्याख्यात्मक ज्ञापन

तारीख 27 नवम्बर, 1971 से सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल का नाम बदलकर, ‘सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान’ रख दिया गया था। अतः विनियमों में किए गए संशोधन को पिछली तारीख से प्रभावी मानना आवश्यक हो गया है। तथापि यह प्रभावित किया जाता है कि इस अधिसूचना को पिछली तारीख, से लागू करते से किसी व्यक्ति के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० 6/13/71-सी० एस०-॥(i)]

**G.S.R. 759.—**In pursuance of sub-rule (4) of rule 12 of the Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962, the Central Government in the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat hereby makes the following regulations further to amend the Central Secretariat Clerical Service (Competitive Examination) Regulations, 1965, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Central Secretariat Clerical Service (Competitive Examination) (Amendment) Regulations, 1972.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 27th day of November, 1971.

2. In the Central Secretariat Clerical Service (Competitive Examination) Regulations, 1965,

(a) for the words “Secretariat Training School” wherever they occur, the words “Institute of Secretariat Training and Management” shall be substituted.

(b) in sub-clause (i) of clause (a) of regulation 9 for the words “the School” the words “the Institute” shall be substituted.

#### Explanatory Memorandum

The name of the Secretariat Training School was changed with effect from 27th November, 1971, to “The Institute of Secretariat Training and Management”. It has, therefore, become necessary to give the amendments to the regulations retrospective effect. It is, however, certified that the interests of no one will be prejudicially affected by the retrospective effect given to the notification.

[No. 6/13/71-CS-II (ii).]

**सांका० नि० 759.—**केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा नियम, 1962 के नियम 12 के उप-नियम (4) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार के मंत्रीमंडल सचिवालय का कार्मिक विभाग केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, का और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित 1965 विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) ये विनियम केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा) (संशोधन) विनियम, 1972 कहे जाएंगे।

(2) ये विनियम तारीख 27 नवम्बर, 1971 से लागू हुए समझे जाएंगे।

2. केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1965 में —

(क) जहाँ कहीं “सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल” शब्द आए हों उनके स्थान पर “सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(ख) विनियम 9 के खण्ड (क) उप-खण्ड (1) में “स्कूल” के शब्द के स्थान पर संस्थान शब्द प्रतिस्थापित किया जायगा।

#### व्याख्यात्मक ज्ञापन

तारीख 27 नवम्बर, 1971 से सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल का नाम बदलकर “सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान” रख दिया गया था। अतः विनियमों में किए गए संशोधन को पिछली तारीख से प्रभावी मानना आवश्यक हो गया है। तथापि यह प्रभावित किया जाता है कि इस अधिसूचना को पिछली तारीख से लागू करते से किसी व्यक्ति के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० 6/13/71-सी० एस०-॥(ii)]

**G.S.R. 760.**—In pursuance of the provisions of clause (3) of regulation 2 of the Third Schedule to the Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962, the Central Government in the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat hereby makes the following regulations further to amend the Central Secretariat Clerical Service (Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination) Regulations, 1966, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Central Secretariat Clerical Service (Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination) (Second Amendment) Regulations, 1972.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 27th day of November, 1971.

2. In the Central Secretariat Clerical Service (Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination) Regulations, 1966, for the words "Secretariat Training School" wherever they occur the words "Institute of Secretariat Training and Management" shall be substituted.

#### *Explanatory Memorandum*

The name of the Secretariat Training School was changed with effect from 27th November, 1971, to "The Institute of Secretariat Training and Management". It has, therefore, become necessary to give the amendments to the regulations retrospective effect. It is, however, certified that the interests of no one will be prejudicially affected by the retrospective effect given to the notification.

[No. 6/13/71-CS-II(iii).]

**सा० का० नि० 76०.**—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा नियम, 1962 की तृतीय अनुसूची के विनियम 2 के खण्ड (3) के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार के मंत्रीमंडल सचिवालय कार्मिक विभाग केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (अवधि श्रेणी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1966 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) ये विनियम केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा उच्च श्रेणी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा) (द्वितीय संशोधन) विनियम, 1972 कहे जा सकेंगे।

(2) ये विनियम, 27 नवम्बर, 1971 से लागू हुए समझे जाएंगे।

2. केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (उच्च श्रेणी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1966 में जहाँ "सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल" शब्द आए हों उनके स्थान पर "सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

#### *व्याख्यातमक ज्ञापन*

ता ओड़ 27 नवम्बर, 1971 से सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल का नाम बदलकर "सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान" रख दिया गया था। अतः विनियमों में किए गए संशोधन की पिछली तारीख से प्रभावी मानना आवश्यक हो गया है। तथापि वह प्रमाणित किया जाता है कि इस अधिसूचना की पिछली तारीख से लागू करन से किसी व्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० 6/13/71-सी०एस०-II (iii)]

**G.S.R. 761.**—In pursuance of sub-rule (4) of rule 14 of the Central Secretariat Stenographers Service Rules, 1969, the Central Government in the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat hereby makes the following regulations further to amend the Central Secretariat Stenographers Service Grade III (Competitive Examination) Regulations, 1969, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Central Secretariat Stenographers Service Grade III (Competitive Examination) (Second Amendment) Regulations, 1972.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 27th day of November, 1971.

2. In the Central Secretariat Stenographers Service Grade III (Competitive Examination) Regulations, 1969,

(a) for the words "Secretariat Training School" wherever they occur, the words "Institute of Secretariat Training and Management" shall be substituted.

(b) in regulation 6 and clause (a) of regulation 9, for the words "Said School" the words "Said Institute" shall be substituted.

#### *Explanatory Memorandum*

The name of the Secretariat Training School was changed with effect from 27th November, 1971, to "The Institute of Secretariat Training and Management". It has, therefore, become necessary to give the amendments to the regulations retrospective effect. It is, however, certified that the interests of no one will be prejudicially affected by the retrospective effect given to the notification.

[No. 6/13/71-CS-II(iv).]

**सा० सा० नि० 76१.**—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1969 के नियम 14 के उप-नियम (4) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार के मंत्रीमंडल सचिवालय कमिक विभाग केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड (प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1969 का और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) ये विनियम केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड III प्रतियोगिता परीक्षा) (द्वितीय संशोधन) विनियम, 1972 कहे जाएंगे।

(2) ये विनियम 27 नवम्बर, 1971 से लागू हुए समझे जाएंगे।

2. केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड III (प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम 1969 में उप-रैंक (क) जहाँ वहाँ "सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल" शब्द आए हों उनके स्थान पर "सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(ख) विनियम 6 और विनियम के खण्ड (क) में "उक्त स्कूल" शब्दों के स्थान पर "उक्त संस्थान" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

### द्यात्योत्तमक ज्ञापन

27 नवम्बर, 1971 से सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल का नाम बदल कर सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान रखा दिया गया था। अतः विनियमों में किए गए संशोधन की पिछली तारीख से प्रभावी मानना अवश्यक हो गया है। तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि इस अधिसूचना को पिछली तारीख से लागू करने से किसी व्यक्ति के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० 6/13/71-सी० एस० II (4)]

**G.S.R. 762.**—In pursuance of rule 24 read with sub-rule (7) of rule 19 of the Central Secretariat Stenographers Service Rules, 1969, the Central Government in the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat hereby makes the following regulations to amend the Central Secretariat Stenographers Service (Seniority of Transferred Officers) Regulations, 1971, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Central Secretariat Stenographer Service (Seniority of Transferred Officers) (Amendment) Regulations, 1972.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 27th day of November, 1971.

2. In the Central Secretariat Stenographers Service (Seniority of Transferred Officers) Regulations, 1971, for the words "Secretariat Training School" wherever they occur, the words "Institute of Secretariat Training and Management" shall be substituted.

#### Explanatory Memorandum

The name of the Secretariat Training School was changed with effect from 27th November, 1971, to "The Institute of Secretariat Training and Management". It has, therefore, become necessary to give the amendments to the regulations retrospective effect. It is, however, certified that the interests of no one will be prejudicially affected by the retrospective effect given to the notification.

[No. 6/13/71-CS-II(V).]

**सा० साँ० नि० 762.**—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक नियम, 1969 के नियम 19 के उप-नियम (7) के साथ पठिए नियम 24 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार के मंत्रोमंडल सचिवालय की कार्यालय, केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा (स्थानान्तरित अधिकारियों की वरिष्ठता) विनियम 1971 का और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्न लिखित विनियम बनाता है अर्थात्:—

1. (1) ये विनियम केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक भेजा (स्थानान्तरित अधिकारियों की वरिष्ठता) (संशोधन) विनियम 1972 कहे जायेंगे।

(2) ये विनियम, 27 नवम्बर 1971 से लागू हुए समझे जाएंगे।

2. केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा (स्थानान्तरित अधिकारियों की वरिष्ठता) विनियम, 1971 में जहाँ कहीं

सचिवालय "प्रशिक्षण स्कूल" जब आए हों उनके स्थान पर सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

### द्यात्योत्तमक ज्ञापन

तात्रीष 27 नवम्बर, 1971 से सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल का नाम बदलकर "सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान" रखा दिया गया था। अतः विनियमों में किए गए संशोधनों की पिछली तारीख से प्रभावी मानना अवश्यक हो गया है। तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि इस अधिसूचना को पिछली तारीख से लागू करने से किसी व्यक्ति के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[मं० 6/13/71-सी० एग०-II (6)]

**G.S.R. 763.**—In pursuance of the provisions of rule 24 and sub-paragraph (2) of paragraph 2 of the Fifth Schedule to the Central Secretariat Stenographers Service Rules, 1969, the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Central Secretariat Stenographers Service (Grade II Limited Departmental Competitive Examination) Regulations, 1971, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Central Secretariat Stenographers Service (Grade II Limited Departmental Competitive Examination) (Amendment) Regulations, 1972.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 27th day of November, 1971.

2. In the Central Secretariat Stenographers Service (Grade II Limited Departmental Competitive Examination) Regulations, 1971 (hereinafter referred to as the said rules)—

(2) in sub-rule (1) of rule 2—

(i) after clause (b) the following clause shall be inserted, namely:—

"(bb) "Institute" means the Institute of Secretariat Training and Management in the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat;"

(ii) Clause (e) shall be omitted.

(b) (i) In the said rules, for the words "School" wherever it occurs, the word "Institute" shall be substituted.

(ii) In sub-regulation (1) of regulation 4, in clause (c) for the words 'school's Stenography Test', the words "Institute's Stenography Test" shall be substituted.

#### Explanatory Memorandum

The name of the Secretariat Training School was changed with effect from 27th November, 1971, to "The Institute of Secretariat Training and Management". It has, therefore, become necessary to give the amendments to the regulations retrospective effect. It is, however, certified that the interests of no one will be prejudicially affected by the retrospective effect given to the notification.

[No. 6/13/71-CS. II (vi).]

**प्र० ७६३—** केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1969 के नियम 24 और पाचवी अनुसूची के पंक्ति 2 के उप-पंक्ति (2) के उत्तरान्ध्रों के अनुमत्तण में, केन्द्रीय सचिवालय, केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा (ग्रेड-II सोमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1971 का और संशोधन करने के लिए एन्ड्राका निम्ननिर्दिष्ट नियम बनानी है, शर्थान्तः—

1. (1) ये विनियम केन्द्रीय प्रतियोगिता परीक्षा आशुलिपिक सेवा (ग्रेड-II सोमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा) (संशोधन) नियम, 1972 कहे जा सकें।

(2) ये विनियम 27 नवम्बर, 1971 से लागू हुए समझे जाएंगे।

2. केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा (ग्रेड-II सोमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1971 (इसके पश्चात उक्त नियमों के रूप में उल्लिखित) में—

(क) नियम 2 के उप-नियम (i) में—(i) खण्ड (ब) के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, शर्थान्तः—

“(ब) “संस्थान” का अभिप्राय भविसण्डल सचिवालय के कार्मिक विभाग के सचिवालय-प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान में है”

(ii) खण्ड (इ) हटा दिया जाएगा।

(ब) उक्त नियमों में जहाँ कहीं “स्कूल” आया हो उसके स्थान स्थान पर “संस्थान” शब्द प्रतिस्थापित किया जायेगा।

(ii) विनियम 4 के उपविनियम (1) के खण्ड (ग) में “स्कूल की आशुलिपी की परीक्षा” शब्दों के स्थान पर “संस्थान की आशुलिपी की परीक्षा” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

#### व्याख्यात्मक ज्ञापन

27 नवम्बर, 1971 से सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल का नाम बदलकर “सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान” रखा दिया गया था। अतः विनियमों में किए गए संशोधन को पिछली तारीख से प्रभावी मानना आवश्यक हो गया है। तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि इस अधिकृतना को पिछली तारीख से लागू करने में किसी व्यक्ति के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[स० 6/13/71—मी० एम० (6)]

**G.S.R. 764.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and all other powers enabling him in this behalf, the President hereby makes the following rules further to

amend the Central Secretariat Stenographers Service Rules, 1969, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Secretariat Stenographers Service (Third Amendment) Rules, 1972.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 27th day of November, 1971.

2. In the Central Secretariat Stenographers Service Rules, 1969, for the words “Secretariat Training School” wherever they occur, the words “Institute of Secretariat Training and Management” shall be substituted.

#### Explanatory Memorandum

The name of the Secretariat Training School was changed with effect from 27th November, 1971, to “The Institute of Secretariat Training and Management”. It has therefore become necessary to give the amendments to the regulations retrospective effect. It is, however, certified that the interests of no one will be prejudicially affected by the retrospective effect given to the notification.

[No. 6/13/71-CS. II (vii).]

**सा० सा० नि० ७६४—** संविधान के अनुच्छेद 309 के प्रभावक द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त अन्य सभी समर्थक शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1969 का संशोधन करने के लिए एन्ड्राका निम्ननिर्दिष्ट नियम बनाने हैं, शर्थान्तः—

1. (1) ये नियम केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा (संशोधन) नियम, 1972 कहे जायेंगे।

(2) ये नियम 27 नवम्बर, 1971 से लागू हुए समझे जाएंगे।

2. केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1969 में, जहाँ कहीं “सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल” आए हो उनके स्थान पर “[सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान]” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

#### व्याख्यात्मक ज्ञापन

तारीख 27 नवम्बर, 1971 से सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल का नाम बदलकर “सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान” रखा दिया गया था। अतः विनियमों में किए गए संशोधन को पिछली तारीख से प्रभावी मानना आवश्यक हो गया है। तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि इन अधिकृतना को पिछली तारीख से लागू करने से किसी व्यक्ति के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[स० 6/13/71—मी० एस०-II (7)]

**G.S.R. 765.**—In pursuance of sub-rule (5) of rule 7 of the Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962, the Central Government in the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat hereby makes the following regulations further to amend the Central Secretariat Clerical Service (Seniority of Transferred Officers) Regulations, 1963, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Central Secretariat Clerical Service (Seniority of Transferred Officers) (Amendment) Regulations, 1972.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 27th day of November, 1971.

2. In the Central Secretariat Clerical Service (Seniority of the Transferred Officers) Regulations, 1963, for the words "Secretariat Training School", occurring in clause (b) of sub-rule (1) of rule 2, the words "Institute of Secretariat Training and Management" shall be substituted.

#### *Explanatory Memorandum*

The name of the Secretariat Training School was changed with effect from 27th November, 1971, to "The Institute of Secretariat Training and Management". It has, therefore, become necessary to give the amendments to the regulations retrospective effect. It is, however, certified that the interests of no one will be prejudicially affected by the retrospective effect given to the notification.

[No. 6/13/71-C.S. II (viii).]

**सांकेतिक नियम 765**—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा नियम, 1962 के नियम 17 के उपनियम (5) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार के मंत्रिमण्डल सचिवालय का कार्मिक विभाग, केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (स्थानान्तरित अधिकारियों की वरिष्ठता) विनियम, 1963 को और संशोधित करने के लिए एनदब्ल्यूआर निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) ये विनियम केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (स्थानान्तरित अधिकारियों की वरिष्ठता) (संशोधन) विनियम, 1972 कहे जाएंगे।

(2) ये विनियम तारीख 27 नवम्बर, 1971 से लागू हुए समझे जाएंगे।

2. केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (स्थानान्तरित अधिकारियों की वरिष्ठता) विनियम, 1963 के नियम 2 के उपनियम (1) के खण्ड (ख) में "सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल" शब्दों के स्थान पर "सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

#### *व्याख्यात्मक ज्ञापन*

तारीख 27 नवम्बर, 1971 से सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल का नाम बदलकर "सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान" रख दिया गया था। अतः विनियमों में किए गए संशोधन को पिछली तारीख से प्रभावी मानना आवश्यक हो गया है। तथापि यह प्रमाणित किया जाता है की इस अधिसूचना को पिछली तारीख से लागू करने से किसी व्यक्ति के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं. 6/13/71-सौ. एम-II (8)]

**G.S.R. 766**.—In pursuance of rule 22 read with clause (hh) of rule 2 of the Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962, the Central Government in the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat hereby makes the following regulations further to amend the Central Secretariat Clerical Service (Preparation of Common Seniority Lists) Regulations, 1971, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Central Secretariat Clerical Service (Preparation of Common Seniority Lists (Amendment) Regulations, 1972.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 27th day of November, 1971.

2. In the Central Secretariat Clerical Service (Preparation of Common Seniority Lists) Regulations, 1971:

(a) in regulation, the figures and bracket (i) shall be deleted.

(b) in clause (a) of regulation 2, for the words "Secretariat Training School" occurring in regulation 2(a), the words "Institute of Secretariat Training and Management" shall be substituted.

#### *Explanatory Memorandum*

The name of the Secretariat Training School was changed with effect from 27th November, 1971, to "The Institute of Secretariat Training and Management". It has, therefore, become necessary to give the amendments to the regulations retrospective effect. It is, however, certified that the interests of no one will be prejudicially affected by the retrospective effect given to the notification.

[No. 6/13/71-C.S. II (ix).]

**सांकेतिक नियम 766**—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा नियम, 1962 के नियम 2 के खण्ड (ज ज) के साथ पठित नियम 22 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार के मंत्रिमण्डल सचिवालय का कार्मिक विभाग केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (मिली जुली वरिष्ठता सूचियां तैयार करना) विनियम, 1971 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् —

1. (1) ये विनियम केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (मिली जुली वरिष्ठता सूचियां तैयार करना) (संशोधन) विनियम, 1972 कहे जा सकेंगे।

(2) ये विनियम तारीख 27 नवम्बर, 1971 से लागू हुए समझे जाएंगे।

2. केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (मिली जुली वरिष्ठता सूचियां तैयार करना) विनियम, 1971 के विनियम 2 के खण्ड (क) में "सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल" शब्दों के स्थान पर "सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

#### *व्याख्यात्मक ज्ञापन*

तारीख 27 नवम्बर, 1971 से सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल का नाम बदल कर "सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान" रख दिया गया था। अतः विनियमों में किए गए संशोधन को पिछली तारीख से प्रभावी मानना आवश्यक हो गया है। तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि इस अधिसूचना को पिछली तारीख से लागू करने से किसी व्यक्ति के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं. 6/13/71-सौ. एम-II (9)]

**G.S.R. 767.**—In pursuance of rule 24 read with clause (hh) of rule 2 of the Central Secretariat Stenographers Service Rules, 1969, the Central Government in the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat hereby makes the following regulations further to amend the Central Secretariat Stenographers Service (Preparation of Common Seniority Lists) Regulations, 1971, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Central Secretariat Stenographers Service (Preparation of Common Seniority Lists (Second Amendment) Regulations, 1972.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 27th day of November, 1971.

2. In the Central Secretariat Stenographers Service (Preparation of Common Seniority Lists) Regulations, 1971 in clause (a) of regulation 2 for the words "Secretariat Training School" the words "Institute of Secretariat Training and Management" shall be substituted

#### *Explanatory Memorandum*

The name of the Secretariat Training School was changed with effect from 27th November, 1971, to "The Institute of Secretariat Training and Management". It has therefore, become necessary to give the amendments to the regulations retrospective effect. It is, however, certified that the interest of no one will be prejudicially affected by the retrospective effect given to the notification.

[No. 6/13/71-CS. II (x).]

M. K. VASUDEVAN, Under Secy.

**सा० सा० नि० 767.**—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1969 के नियम 2 के खण्ड (जज) के माथ पठित नियम, 24 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय का कार्यपालिका विभाग, केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा (मिलीजुली वरिष्ठता सूचियां तैयार करना) विनियम, 1971 का और मंशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, प्रथातः:—

1. (1) ये विनियम केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा (मिलीजुली वरिष्ठता सूचियां तैयार करना) (द्वितीय मंशोधन) विनियम, 1972 कहे जाएंगे।

(2) ये विनियम तारीख 27 नवम्बर, 1971 से लागू हुए समझे जाएंगे।

2. केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा (मिलीजुली वरिष्ठता सूचियां तैयार करना) विनियम, 1971 के विनियम 2 के खण्ड (क) में "सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल" शब्दों के स्थान पर "सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंध संस्थान" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

#### ध्याल्यात्मक ज्ञापन

तारीख 27 नवम्बर, 1971 से सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल का नाम बदल कर "सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंध संस्थान" रख दिया गया था। श्रत विनियमों में किए गए संशोधन को विछिनी तारीख से प्रभावी मानना आवश्यक हो गया है। तथापि यह

प्रभागित किया जाता है कि इस अधिसूचना को पिछली तारीख से लागू करने से किसी व्यक्ति के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० 6/13/71-सी० एस०-II (10)]

एम० के० वासुदेवन, अवर सचिव।

#### MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Legislative Department)

New Delhi, the 25th April 1972

**G.S.R. 768.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the official Language (Legislative) Commission, (Class III—non-gazetted posts) Recruitment Rules, 1963, namely:—

1. (1) These rules may be called the Official Language (Leg) Commission (Class III—non-gazetted posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Official Language (Legislative) Commission, (Class III—non-gazetted posts) Recruitment Rules, 1963, against serial No. 6 relating to the post of "Personal Assistants/Stenographers",—

(i) in column 7, under the heading "Essential", in item (ii), the following shall be inserted at the end, namely:—

"If candidates possessing a speed of 120 words per minute in English stenography are not available, candidates possessing a speed of 100 words per minute shall be eligible for consideration."

(ii) in column 11, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Transfer of suitable Central Government or State Government servants possessing the qualifications prescribed in column 7."

[No. F. 36(37)/68-Adm. I(LD).]

E. VENKATESWARAN, Dy. Secy.

#### विधि और न्याय मंत्रालय

(विधायी विभाग)

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1972

**सा० सा० नि० 768.**—संविधान के अनुच्छेद 309 के परत्तुक द्वारा प्रदत्त प्रक्रियाओं का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा राजभाषा (विधायी) आयोग (श्रेणी III—प्राराजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1963 को और संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं) प्रथातः:—

1. (1) ये नियम राजभाषा (विधायी) आयोग (श्रेणी III—प्राराजपत्रित पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1972 कहे जा सकेंगे।

(2) ये नियम सरकारी गजपत में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. राजभाषा (विधायी) आयोग (श्रेणी III—अराजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1963 की अनुसूची में “वैयक्तिक—सं० 6 के विरुद्ध”—

(i) कालम 7 में, मद् (ii) में, शीर्षक “आवश्यक” के नीचे, अन्त में निम्नलिखित अन्त स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“यदि अंग्रेजी अंग्रेजी में 120 शब्द प्रति मिनट की गति रखने वाले अध्यर्थी प्राप्त नहीं हैं, 100 शब्द प्रति मिनट की गति रखने वाले अध्यर्थी विचार के लिए योग्य होंगे;”

(ii) कालम 11 में, विद्यमान प्रतिष्ठित के लिए निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिनिधित्वापित की जाएगी, अर्थात् :—

“कालम 7 में विहित योग्यताओं को धारण करने वाले केंद्रीय सरकार या राज्य सरकार के योग्य कर्मचारियों का अन्तरण।”

[सं० का० 36/(37)/68-प्र० 1 (विधि)]

ई० वैक्टेश्वरन, उप-सचिव।

#### (Department of Justice)

New Delhi, the 29th April 1972

**G.S.R. 769.**—Whereas the Chief Justice of the High Court of Madhya Pradesh has, with the previous consent of the President, requested Shri Suraj Bhan Grover, who has held the office of Judge of the High Court of Madhya Pradesh, to sit and act as Judge of the High Court of Madhya Pradesh from 28th April, 1972 till the disposal of Election Petition No. 5 of 1971 or for a period of six months whichever period is shorter;

And whereas the said Shri Suraj Bhan Grover has consented to sit and act as Judge of that High Court;

Now, therefore, in pursuance of Article 224A of the Constitution of India, the President hereby determines that the said Shri Suraj Bhan Grover shall be paid an allowance of rupees three thousand and five hundred per month, minus the pension and pension equivalent of any other retirement benefits drawn by him as retired Judge of the High Court of Madhya Pradesh, for the period during which he sits and acts as Judge of the High Court of Madhya Pradesh.

[No. 11/3/72-Jus ]

K. THYAGARAJAN, Dy. Secy

(न्याय विभाग)

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1972

**जो०एस०आर० 769.**—यतः मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने, राष्ट्रपति की पूर्व सहमति में, श्री सूरजभान ग्रोवर

से, जो मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के पद पर रह चुके हैं, अनुरोध किया है कि वे निर्वाचित याचिका सं० 1971 की 5 के निपटाने तक या छः महीने की अवधि तक, इन में से जो भी अवधि कम हो, के लिए 28 अप्रैल, 1972 से मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के पद पर पदासीन हो और कार्य करें।

और यतः उक्त श्री सूरजभान ग्रोवर उस उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद पर पदासीन होने तथा कार्य करने के लिये सहमत हो गए हैं।

अतः, अब, भविधान के अनुसरण में राष्ट्रपति यह निश्चित करते हैं, कि उक्त श्री सूरजभान ग्रोवर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को न्यायाधीश के पद पर अपनी कार्यविधि में तीन हजार पाँच सौ रुपय प्रति मास भत्ता दिया जायेगा, जिसमें भौपेशन तथा सेवा निवृत्त के लिए भौमें के समकक्ष भौपेशन विपयक वे अन्य लाभ घटा दिए जायेगे जो उन्हें मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के सेवा-निवृत्त न्यायाधीश की हैं सियत से भिल रहे हैं।

[सं० 11/3/72-न्याय]

के० त्यागराजन, उप सचिव।

#### MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P. and T. Board)

New Delhi, the 18th April 1972

**G.S.R. 770.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf and in supersession of the General Central Services Class I (Director of Accounts) Recruitment Rules, 1958 and the Posts and Telegraphs Chief Accounts Officers (Recruitment) Rules, 1968, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service, Class I, namely:—

#### PART I—General

**1. Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service Class I (Recruitment) Rules, 1972.

(2) They shall come into force on such date as the Central Government may by notification in the Official Gazette, appoint.

**2. Definitions.**—In these rules, unless the context otherwise requires—

(a) “appointed day” means the date on which these rules come into force;

(b) “approved service” in relation to any grade of the service means the period or periods of service in that grade rendered after selection for a long-term appointment in that grade and includes any period or periods—

(i) taken into account for purposes of seniority in the case of those persons appointed before the appointed day;

- (ii) during which an officer would have held a duty post in that grade, but for his being on leave or otherwise being not available for holding such posts;
- (c) "Commission" means the Union Public Service Commission;
- (d) "Departmental Officer" means a person who has been appointed before the appointed day, in a regular manner in accordance with the approved method of recruitment to any of the posts specified in Schedule I to these rules;
- (e) "examination" means the combined competitive examination held by the Commission for recruitment to Central Service Class I and Class II;
- (f) "Government" means the Central Government;
- (g) "grade" means a grade specified in rule 3;
- (h) "Schedule Castes" and "Scheduled Tribes" shall have the same meanings as are assigned to them by clauses (24) and (25) respectively of article 366 of the Constitution;
- (i) "Service" means the Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service Class I constituted under rule 3.

**6. Constitution of the Services.**—(1) As from the appointed day, there shall be constituted a Service to be known as the Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service, Class I.

(2) The Service shall consist of—

- (i) persons appointed to the Service at the initial constitution under rule 5; and
- (ii) persons appointed to the Service after such constitution in accordance with the provisions of these rules.

(3) There shall be the following grades in the service, namely:—

(i) Junior Time Scale	Rs. 400-400-450-30-600-35-60-EB-35-950.
(ii) Senior Time Scale	Rs. 700-40-1100-50-2-1250
(iii) Junior Administrative Grade.	Rs. 1300-60-1600.
(iv) Senior Ad—inistrative Grade.	Rs. 1800-100-2000-125-2250.

**4. Authorised permanent strength and temporary strength of the Service.**—(1) The authorised permanent strength and temporary strength of the various grades on the appointed day shall be as specified in Schedule II.

(2) After the appointed day, the authorised permanent strength of the various grades shall be such as may, from time to time, be determined by the Government.

(3) The authority competent to make an appointment to a grade may make temporary additions to the grade as it may deem necessary from time to time subject to any general or special orders that may be issued by the President.

**5. Initial constitution of the Service.**—(1) The Commission shall constitute a Selection Committee with the Chairman or a Member of the Commission as President and not more than three representatives of the Ministry of Communications (Posts and Telegraphs Board)

as Members, to determine the suitability of Departmental officers for appointment to the different grades and to prepare an order of preference for each grade for the initial constitution of the Service.

(2) To the extent, the Departmental officers holding posts in substantive capacity are not recommended for appointment to the Service, the posts shall be excluded from the Service till such officers hold them on such posts.

(3) On receipt of the report of the Selection Committee, the Commission shall forward its recommendations to the Government and such recommendations may include a recommendation that a person considered suitable for appointment to a grade may, if a sufficient number of vacancies are not available in that grade, be appointed to a lower grade.

#### PART II—Method of recruitment after the initial constitution of the Services

**6. Method of recruitment.**—(1) After the initial constitution of the Service recruitment to the Service shall be made by any of the following methods, namely:—

- (a) by a competitive examination held in accordance with the provisions of the Part III of these rules.
- (b) by promotion in accordance with the provision of Part IV of these rules,
- (c) by deputation in accordance with the provisions of Part V of these rules.

(2) Recruitment to the Junior Time Scale of the Service shall be made as under—

(a) fifty per cent of the permanent vacancies in the Junior Time Scale of the Service shall be filled by direct recruitment in accordance with the provisions of Part III of these rules, and the remaining fifty per cent permanent vacancies shall be filled by substantive appointment of temporary officers of Junior Time Scale of the Service who are approved for substantive appointment to that grade in the order of their seniority;

(b) temporary vacancies in the Junior Time Scale of the Service shall be filled by promotion in accordance with the provisions of Part IV of these rules.

(3) Subject to the provisions of these rules, the Government shall determine the method or methods of recruitment to be adopted for the purpose of filling any particular vacancy or vacancies in the Service as may be required to be filled during any particular period of recruitment and the number of persons to be recruited by each method.

**7. Appointment to the Service.**—(1) All appointments to the Service after the initial constitution shall be made by the Government.

(2) Initial appointment of persons recruitment to the Service under Clause (a) of sub-rule (1) of rule 6 shall be in the Junior Time Scale of the Service.

(3) Appointments to the Service shall be subject to orders regarding special representation in the Service for specific classes or categories of persons issued by the Government from time to time.

**PART III—Recruitment by competitive examination**

**8. Holding of examination.**—(1) An examination for recruitment to Service shall be held at such intervals as the Government may, in consultation with the Commission, from time to time, determine.

(2) The examination shall be conducted by the Commission in the manner notified by the Government from time to time.

(3) (a) The dates on which and the places at which the examination shall be held shall be prescribed in the notice issued by the Commission. (b) Every such notice shall, as far as possible, specify the number of vacancies to be filled on the results of the examination.

**9. Form of making application.**—A candidate shall apply for admission to the examination before such date, in such manner and in such form as the Commission may prescribe:

Provided that in the case of a candidate who is in the permanent or temporary service of the Government or of any State Government, the application for admission to the examination shall be sent through the head of the department or office in which he is serving.

**10. Conditions of eligibility.**—In order to be eligible to compete at the examination, a candidate must satisfy the following conditions, namely:—

(1) **Nationality.**—(a) A candidate must be a citizen of India; or (b) belong to such categories of persons as may, from time to time, be notified in this behalf by the Government;

(2) **Age.**—A candidate must have attained the age of 24 years on the 1st day of August of the year in which the examination is held:

Provided that the upper age limit may be relaxed in respect of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, and such other categories of persons as may, from time to time, be notified in this behalf by the Government, to the extent and subject to the conditions notified in respect of each such category.

**SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS****PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED**

**(3) Educational Qualifications.**—A candidate must hold a degree of (a) a University incorporated by an Act of the Central or of a State Legislature in India, or (b) an educational institution established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956), or (c) a foreign University approved by the Government from time to time, (d) or possess a qualification which has been recognised by the Government for the purposes of admission to the examination:

Provided that,—

(a) in exceptional cases, the Commission may treat as educationally qualified a candidate who, though not possessing the qualification prescribed in this clause, has passed examinations conducted by other institutions of a standard which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination;

(b) a candidate who is otherwise qualified but has taken a degree from a foreign University, which is not approved by the Government, may also be admitted to the examination at the discretion of the Commission; and

(c) a candidate who has appeared at an examination, the passing of which would render him eligible to appear at the examination conducted

under these rules, may apply for admission to the said examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply provided the qualifying examination is completed before the commencement of the examination conducted under these rules. Such candidates may be admitted to the examination conducted under these rules, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if the candidate does not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than two months after the commencement of the examination.

**(4) Attempts at the examination**

Unless covered by any of the exceptions that may, from time to time, be notified by the Government in this behalf, a candidate should not already have competed more than once at the examination held after the 1st January, 1961.

**Note 1.**

A candidate shall be deemed to have competed at the examination once for all the Services/posts ordinarily covered by the examination if he competes for any one or more of the Services/posts.

**Note 2.**

A candidate shall be deemed to have competed at the examination if he appears in any of the subjects prescribed for the examination.

**(5) Fees.** A candidate must pay the fee prescribed by the Commission unless exempted therefrom or granted concession thereto in accordance with the exemptions or concessions in this respect notified by the Government from time to time.

**11. Attempt to influence.**—Any attempt on the part of candidate to obtain support for his candidature by any means may be held by the Commission to disqualify him for admission to the examination.

**12. Decision of the Commission to be final in regard to admission to examination.**

The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final and no candidate to whom a certificate of admission has not been issued by the Commission shall be admitted to the examination.

**13. Penalty for misconduct.**—A candidate who is or has been declared by the Commission guilty of impersonation or of submitting fabricated document or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination or of using or attempting to use unfair means in the examination hall or of misbehaviour in the examination hall or being found to have in his possession or accessible to him unauthorised papers, book, notes or the like in the examination hall may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution—

(a) be debarred permanently or for a specified period:

(i) by the Commission, from admission to any examination or appearance at any interview held by the Commission for selection of candidates; and

(ii) by the Government from employment under it;

(b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules, if he is already in service under Government.

**14. Preparation of list of successful candidates:**

(1) After every examination, candidates shall be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(2) Candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for selection to the service irrespective of their ranks in the order of merit at the examination:

Provided that if a sufficient number of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes is not available to fill all the vacancies reserved for them in accordance with the orders of the Government issued in this behalf from time to time, the unfilled vacancies shall be filled in the manner prescribed by the Government.

**15. Medical examination.**—No candidate shall be appointed to the Service who after such medical examination as the Government may prescribe, is not found to be in good mental or bodily health and free from any mental or physical defect likely to interfere with the discharge of the duties of the Service.

**16. Inclusion in the list of successful candidates confers no right to appointment:**

The inclusion of a candidate's name in the list of successful candidates confers no right to appointment unless the Government is satisfied after such inquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Service.

**PART IV.—Appointment by promotion**

**17. Appointment by promotion to the various grades:**

After the initial constitution of the Service, appointment to various grades shall be made as follows:—

(i) **Junior Time Scale.**—Appointment by promotion to the Junior Time Scale in the Service shall be made by selection on merit from amongst officers of the Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service Class II, with not less than seven years' approved service in the grade on the recommendation of a duly-constituted Departmental Promotion Committee and in consultation with the Commission.

(ii) **Senior Time Scale.**—Appointment to the Senior Time Scale in the Service shall be made by promotion of officers in the Junior Time Scale, with not less than 6 years service in the grade, in the order of seniority subject to the rejection of the unfit;

Provided that officers of the Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service, Class II, including those promoted to Junior Time Scale under clause (i), may be allowed to officiate in the Senior Time Scale till such time as officers of the Junior Time Scale are available for regular promotion to Senior Time Scale.

(iii) **Junior Administrative Grade.**—Appointment to the Junior Administrative Grade in the Service shall be made by selection on merit from amongst officers of the Senior Time Scale in the Service with not less than five years approved service in the grade on the recommendation of a duly-constituted Departmental Promotion Committee.

(iv) **Senior Administrative Grade.**—Appointment to the Senior Administrative Grade in the Service shall be made by selection on merit from amongst officers of the Junior Administrative Grade of the Service, with not less than three years approved service in the Grade, on the recommendation of a duly-constituted Departmental Promotion Committee.

**PART V**

**18. Recruitment by deputation.**—The Government may, in the event of non-availability of suitable officers at the maintenance stage by direct recruitment or by promotion, bring after consulting the Commission officers of the appropriate grade from the Posts and Telegraphs Service failing which from the Indian Administrative Service, the Central Secretariat Service or a Central Service, Class I (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years)

**PART VI.—Miscellaneous**

**19. (1)** Candidates appointed to the Service either by selection through examination or by promotion, shall be on probation for a period of two years.

**Explanation.**—In computing the period of two years, the Government:

- (i) may count any period of service in posts carrying equivalent or higher responsibilities,
- (ii) may count, in the case of promotees to any grade, any period of officiating service in that grade.

(2) On the completion of the period of probation the candidates shall, if considered fit for permanent appointment, be confirmed in their appointment, subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

(3) The Government may extend the period of probation specified in sub-rule (1).

(4) If, on the expiration of the period of probation referred to in sub-rule (1) or of any extension thereof under sub-rule (3), as the case may be, the Government is of opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension it is satisfied that the candidate will not be fit for permanent appointment on the expiration of the period of probation or of extension, it may discharge or revert such candidate to his substantive post or pass such orders as it may think fit.

(5) During the period of probation, the candidate may be required by the Government to undergo such courses of training and instruction and to pass such examinations and tests as it may think fit, as a condition to satisfactory completion of probation.

**20. Substantive appointment in the Service.**—All substantive appointments in the Service shall be made to the appropriate grade of the Service and not against any specified post in that grade.

**21. Seniority.**—(1) A list of members of the Service shall be maintained separately for each grade in the order of their seniority.

(2) The seniority of the members of the Service in each grade shall be determined in accordance with the general orders regulating seniority of Government employees issued by the Government from time to time.

**22. Liability for transfer.**—Officers of the Service shall be liable for transfer anywhere in India.

**23. No person.**

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the Service;

Provided that the Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

**24. Residuary matters.**—In regard to matters not specifically covered by these rules, or by regulations or orders made or issued thereunder or by special order the members of the Service shall be governed by the rules, regulations and orders applicable to the Central Civil Services in general.

**25. Regulations and orders.**—The Government may make regulations and issued orders, not inconsistent with these rules, to provide for all matters for which

provision is necessary or expedient for the purpose of giving effect to these rules.

**26. Power to relax.**—Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

**27. Interpretation.**—If any question arises relating to the interpretation of these rules, it shall be referred to the Government who shall decide the same.

**28. Saving.**—Nothing in these rules shall affect reservation and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Government from time to time in this regard.

#### SCHEDULE I

[See rule 2 (d)]

Name of office	Designation of post	No. of posts		Total
		Permanent	Temporary	
<i>Senior Administrative Grade</i>				
Posts and Telegraphs Directorate	(Scale Rs. 1800-100-2000-125-2250) Deputy Director General (Accounts) Deputy Director General (Finance)	2	—	2
<i>Senior Administrative Grade</i>				
Posts and Telegraphs Directorate	(Scale Rs. 1300-60-1600) Director (Accounts) Director (Budget) Director (Finance)	3	10	13
Posts and Telegraphs Circle/Districts/ other Administrative Offices	Director (Finance)			
<i>Chief Accounts Officers</i>				
Posts and Telegraphs Directorate	(Scale Rs. 900-40-1100-50/2-1250) Assistant Director General (Rs. 900-40-1100-50/2-1250)			
Posts and Telegraphs Circle/Districts/ other Administrative Offices	Chief Accounts Officer (Rs. 900-40-1100-50/2-1250)			
General Manager, Posts and Telegraphs Workshops, Calcutta.	Cost Accounts Officer (Rs. 700-40-1100-50/2-1250)	7	33	40
Office of the Deputy Director (PLI), Calcutta.	Deputy Director (PLI) (Rs. 700-40-1100-50/2-1250)			

#### SCHEDULE II

[See rule 4 (i)]

*Authorised permanent and temporary strength of various grades of the Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service, Class I, on the appointed day.*

Grade	Authorised strength		Total
	Permanent	Temporary	
Senior Administrative Grade	2	Nil	2
Junior Administrative Grade	3	10	13
Senior Time Scale	7	33	40
Junior Time Scale	12	4	16

संचार मंत्रालय  
(डाक-तार विभाग)  
तर्दी दिल्ली, 18 अप्रैल, 1972

**सा० का० नि० 770—** राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस नियमित उन्हें समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 1 (लेखा निदेशक) भर्ती नियम, 1958 और डाकतार मुख्य लेखा अधिकारी (भर्ती) नियम, 1968 को अधिकांत करते हुए, भारतीय डाकतार लेखा और वित्त सेवा, वर्ग 1 में भर्ती की पद्धति को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्

भाग—1 साधारण

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भः—(1) इन नियमों का नाम भारतीय डाक तार लेखा और वित्त सेवा वर्ग 1 (भर्ती) नियम, 1972 होगा।
- (2) ये ऐसी तारीख को प्रवृत्त होंगे जैसा केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियुक्त करे।
2. परिभाषाएँ :—इन नियमों में जब तक संदर्भ से अर्थात् प्रयोगित न हो,
  - (क) “नियत दिन” से ऐसी तारीख जिसको ये नियम प्रवृत्त होंगे, अभिप्रेत हैं,
  - (ख) सेवा की किसी श्रेणी के सम्बन्ध में “अनुमोदित सेवा” से उस श्रेणी में दीर्घकालिक नियुक्ति के लिए चयन के पश्चात उसी श्रेणी में की गई सेवा की अवधि अभिप्रेत है या है और है :—।
- (i) नियत दिन के पूर्व ऐसे नियुक्त व्यक्तियों के मामले में ज्येष्ठता प्रयोजनों के लिए ध्यान में ली गई;
- (ii) जिसके दौरान कोई अधिकारी उस श्रेणी में कर्तव्य पद धारण कर लेता, किंतु उसके अवकास पर होने से या अन्यथा ऐसे पद धारण करने के लिए उपलब्ध न हों, की अवधि सम्मिलित है या है;
- (ग) “आयोग” संघ लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है;
- (घ) “विभागीय अधिकारी” से कोई ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जो इन नियमों की अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट पदों में से किसी पर अनुमोदित भर्ती की पद्धति के अनुसार नियत दिन के पूर्व नियमित रीति से नियुक्त किया गया हो;
- (ङ) “परीक्षा” से केन्द्रीय सेवा वर्ग I और वर्ग II में भर्ती के लिए आयोग द्वारा ली गई संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा अभिप्रेत है;

- (च) “सरकार” से केन्द्रीय सरकार अभिप्रेत है ;
- (छ) “श्रेणी” से नियम 3 में विनिर्दिष्ट कोई श्रेणी अभिप्रेत है;
- (ज) “अनुसूचित जातियों” और “अनुसूचित जनजातियों” के वही अर्थ होंगे जो उन्हें संविधान के अनुच्छेद 366 के अमशः खंड (24) और (25) द्वारा समनुदिष्ट किये गए हैं ;
- (स) “सेवा” से नियम 3 के अधीन गठित भारतीय डाक-तार लेखा और वित्त सेवा वर्ग I अभिप्रेत है ;
3. सेवा का गठन :—(1) नियत दिन में भारतीय डाक-तार लेखा और वित्त सेवा वर्ग I से ज्ञात सेवा गठित की जाएगी।
- (2) सेवा :—
- (i) नियम 5 के अधीन प्रारम्भिक गठन पर सेवा में नियुक्त व्यक्तियों ; और
- (ii) इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार ऐसे गठन के पश्चात सेवा ; नियुक्त व्यक्तियों से मिलकर बनेगी :—।
- (3) सेवा में निम्नलिखित श्रेणियाँ होंगी, अर्थात् :—
  - (i) कनिष्ठ काल वेतनमान 400—400—450—30 600—35—670—द०रो०—35—950 रु०।
  - (ii) ज्येष्ठ काल वेतनमान 700—40—1100—50/2—1250 रु०
  - (iii) कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी 1100—60—1600रु०
  - (iv) ज्येष्ठ प्रशासनिक श्रेणी 1800—100—2000—125—2250 रु०
4. सेवा की प्राधिकृत स्थायी संख्या और अस्थायी संख्या
  - (1) नियत दिन को विभिन्न श्रेणियों की प्राधिकृत स्थायी संख्या और अस्थायी संख्या अनुसूची II में यथा विनिर्दिष्ट होगी।
  - (2) नियत दिन के पश्चात विभिन्न श्रेणियों की प्राधिकृत स्थायी-संख्या ऐसी होगी, जो सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाये।
  - (3) किसी श्रेणी में नियुक्ति करने के लिये समय प्राधिकारी, श्रेणी में अस्थायी बृद्धि कर सकेगी, जो वह समय समय पर आवश्यक समझे।
5. सेवा का प्रारम्भिक गठन :—(1) आयोग, विभिन्न श्रेणियोंमें नियुक्ति के लिये विभागीय अधिकारियोंकी उपयुक्तता अवधारित करने और सेवा के प्रारम्भिक गठन के लिए प्रत्येक श्रेणी के लिये अधिमान का

कोई ऋम वनाते के लिए अध्यक्ष के रूप में या आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य से और सदस्यों के रूप में संचार मंत्रालय (डाक-तार बोर्ड) के तीन अनधिक प्रतिनिधियों को मिलाकर एक चयन समिति गठित करेगा।

(2) जहाँ तक अधिष्ठायी हैसियत के पदों का धारण करने वाले विभागीय अधिकारियों की सेवा में नियुक्ति के लिए सिफारिश नहीं की जाती है वहाँ तक ऐसे पद सेवा से अपवर्जित कर दिए जाएंगे जब तक कि ऐसे अधिकारियों का ऐसे पदों पर धारणाधिकार न हो।

(3) चयन समिति की रिपोर्ट की प्राप्ति पर आयोग अपनी सिफारियों को सरकार के पास भेजेगा और ऐसी सिफारियों में ऐसी सिफारिश सम्मिलित होगी कि किसी श्रेणी में नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा गया कोई व्यक्ति, यदि रिक्तियों की पर्याप्त संख्या उम्मीदों में उपलब्ध न हो; किसी निम्नतर श्रेणी में नियुक्त किया जा सकेगा।

#### भाग II.—सेवा के प्रारम्भिक गठन के पश्चात भर्ती की पद्धति

6. भर्ती की पद्धति :—(1) सेवा के प्रारम्भिक गठन के पश्चात सेवा के लिए भर्ती निम्नलिखित पद्धतियों में से किसी द्वारा की जाएगी, अर्थात् :—

(क) इन नियमों के भाग III के उपबन्धों के अनुसार नी गई किसी प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा;

(ख) इन नियमों के भाग IV के उपबन्धों के अनुसार प्रोफ्रेशन द्वारा;

(ग) इन नियमों के भाग V के उपबन्धों के अनुसार प्रतिनियुक्ति द्वारा।

(2) में वाले के कनिष्ठ काल वेतनमान पर भर्ती निम्न-निखित रूप में की जाएगी :—

(क) सेवा के कनिष्ठ काल वेतनमान में पचास प्रतिशत स्थायी रिक्तियाँ इन नियमों के भाग III के उपबन्धों के अनुसार सीधे भर्ती द्वारा भरी जाएंगी और शेष पचास प्रतिशत रिक्तियाँ सेवा के कनिष्ठ काल वेतनमान के अस्थायी अधिकारियों की अधिष्ठायी नियुक्ति द्वारा भरी जाएंगी, जो उनकी ज्येष्ठता के ऋम में उस श्रेणी में अधिष्ठायी नियुक्ति के लिए अनुमोदित किए गए हैं।

(ख) सेवा के कनिष्ठ काल वेतनमान में अस्थायी रिक्तियाँ इन नियमों के भाग IV के उपबन्धों के अनुसार प्रोफ्रेशन द्वारा भरी जाएंगी।

(3) इन नियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, सरकार सेवा में की कोई विशिष्ट रिक्ति या रिक्तियाँ भरने के प्रयोजन के लिए अन्यीकृत की जाने वाली भर्ती की पद्धति या पद्धतियाँ जो भर्ती की किसी विशिष्ट अवधि के दौरान भरी जाने के लिए अपेक्षित हो, और प्रत्येक पद्धति द्वारा भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या अवधारित करेगी।

7. सेवा पर नियुक्ति—(1) प्रारम्भिक गठन के पश्चात सेवा पर सभी नियुक्तियाँ सरकार द्वारा की जाएगी हैं।

(2) नियम 6 के अधीन (1) के खण्ड (क) के अधीन सेवा में भर्ती किए गए व्यक्तियों की प्रारम्भिक नियुक्ति सेवा कनिष्ठ काल वेतनमान में होगी।

(3) सेवा पर नियुक्तियाँ सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए व्यक्तियों के विनिविष्ट वर्गों या प्रबंगों के लिए सेवा में विशेष प्रतिनिधित्व की बाबत आदेशों के अधीन रहते हुए, होंगी।

#### भाग III.—प्रतियोगिता परीक्षा परीक्षा द्वारा भर्ती

8: परीक्षा लेना :—(1) सेवा में भर्ती के लिए परीक्षा, [ऐसे अंतरालों पर, जो सरकार आयोग से परामर्श करके, समय/समय पर अवधारित करें, होगी।

(2) सरकार द्वारा, समय समय पर, अधिसूचित रीति में आयोग द्वारा परीक्षा संचालित की जाएंगी।

(3) (क) आयोग द्वारा जारी की गई सूचना में, जिस नारीओं को और जिन स्थानों पर परीक्षा होगी, वे विहित किए जाएंगे।

(ख) ऐसी प्रत्येक सूचना, यावत्संभव, परीक्षा के परिणाम स्वरूप पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या विनिर्दिष्ट करेगी।

9 आवेदन करने के लिए प्रवधः—अभ्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए ऐसी तारीख के पूर्व ऐसी रीति से प्रोर ऐसे आरूप में, जो आयोग विहित करें, आवेदन करेगा :

परन्तु ऐसे अभ्यार्थी की दशा में, जो सरकार की या राज्य सरकार की स्थायी या अस्थायी सेवा में है, परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए आवेदन, ऐसे विभाग या कार्यालय के प्रमुख के माध्यम से, जिससे वह सेवा करता है, भेजा जाएगा।

10 पात्रता की शर्तेः—परीक्षा में प्रतिप्रेगो होने का पात्र होने के लिए, अभ्यार्थी को निम्नलिखित शर्तों का संग्रहान करना चाहिए, अर्थात् :

(1) राष्ट्रीयता :—(क) अभ्यार्थी को भारत का नागरिक होना चाहिए ; या (ख) ऐसे व्यक्तियों के प्रबंगों का होना चाहिए जो सरकार द्वारा इस निमित समय समय पर अधिसूचित किए जाएं।

(2) आयुः— अभ्यार्थी को 21 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेनी चाहिए और उस वर्ष के, जिस वर्ष में परीक्षा होती है, एक अगस्त को 24 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं करनी चाहिए :

परन्तु अधिकतम आयु सीमा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के अभ्यार्थियों और व्यक्तियों के ऐसे अन्य प्रवर्गों की बाबत और ऐसे प्रत्येक प्रवर्ग के बारे में अधिसूचित उस विस्तार तक और उन शर्तों के अधीन रहते हुए, जो सरकार द्वारा इस निमित्त समय समय पर अधिसूचित की जाए, शिथिल की जा सकेगी ।

उपरकृत व्याउचर्वंधित के सिराज विहित आयु सीमा किसी भी दात्तले में शिथिल नहीं की जा सकेगी

(3) शैक्षिक अर्हताएँ :— अभ्यार्थी के पा : (क) भारत के केन्द्रीय या किसी राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा निर्गमित विश्वविद्यालय की,

(ख) संसद् के किसी अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालयों अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 3) की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालयों के रूप में समझे जाने के लिये घोषित किसी शैक्षिक संस्था की, या

(ग) सरकार द्वारा समय समय पर अनुमोदित किसी विदेश-विश्वविद्यालय की डिग्री होनी चाहिए या

(घ) उनके पास ऐसी ग्रहिता हो, जिससे सरकार द्वारा परीक्षा में सम्मिलित होने के प्रयोजनों के लिए मान्यता दी गई है ;

परन्तु :—

(क) असाधारण मामलों में, आयोग, ऐसे अभ्यर्थी को, जिसने, यद्यपि उसके पास इस खण्ड में विहित अर्हता नहीं है, अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित मानक परीक्षाएं उत्तीर्ण की हैं, जो आयोग की राय में परीक्षा में उसके प्रवेश के लिए न्यायोचित छहराती है, शैक्षिक दृष्टि से अर्हित के रूप में मान सकेगा,

(ख) ऐसा अभ्यर्थी भी जो अन्यथा अर्हित है किन्तु जिसने किसी विदेशी विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त की है, जो सरकार द्वारा अनुमोदित नहीं है, आयोग के विकेप पर परीक्षा में सम्मिलित किया जा सकेगा, और

(ग) ऐसा अभ्यर्थी जो ऐसी परीक्षा में बैठा है, जिसके उत्तीर्ण होने पर वह इन नियमों के अधीन संचालित परीक्षा में बैठने के लिए पात्र हो जाएगा, उक्त परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए आवेदन कर सकेगा । ऐसा अभ्यर्थी भी, जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का आशय रखता हो, आवेदन कर सकेगा परन्तु इन नियमों के अधीन संचालित परीक्षा के प्रारंभ के पूर्व अर्हक परीक्षा समाप्त हो गई हो

ऐसे अभ्यर्थियों को, इन नियमों के अधीन नहीं हो परीक्षा में यदि वे अन्यथा पाठ्य हों, सिर्फी तिथि जा सकेगा, किन्तु स्वीकृत अन्यात्रा मात्र जाएगी और, यदि अभ्यर्थी—यथारपाठी या और फिर भी भी मामले में, परीक्षा के प्रारंभ के पश्चात् दो मास के पश्चात् परीक्षा उत्तीर्ण करो का समाप्त पेश नहीं करता है तो वह रद्द होता के अधीन होगा।

4. परीक्षा में बैठने के प्रस्तुत जगत तक अभ्यार्थों में से किसी के अधीन न हो, जो सरकार द्वारा इस निमित्त उपर समय पर अधिसूचित किए जाएं तब तक किसी अभ्यर्थी को एक जनवरी, 1961 के पश्चात् हुई परीक्षा में एक से अधिक बार पहले ही प्रतियोगी नहीं होना चाहिए ।

टिप्पणी : 1

किसी अभ्यर्थी को परीक्षा के अन्तर्गत मामूली रूप से आने वाली नभी मंत्रालयों/पदों के लिए परीक्षा में एक बार प्रतियोगी होना समझा जायेगा, यदि वह सेवालयों / पदों में से किसी एक या अधिक के लिए प्रतियोगी होना है ।

टिप्पणी : 2

फिसी अभ्यर्थी को परीक्षा में प्रतियोगी ना समझा जायेगा, यदि वह परीक्षा के लिए विषयों में से किसी में बैठता है ।

(5) फैसे

अभ्यर्थी को आयोग द्वारा विहित काल का सताय करना चाहिए जब तक कि उस से छूट प्राप्त न हो या सरकार द्वारा समय समय पर इस सञ्चालन में अधिसूचित छूटों या रियायतों के अनुसार उसके लिए रियायत अनुदृत न की गयी हो ।

11. असर डालने का प्रयत्न : अभ्यर्थी की ओर से अपनी अभ्यर्थिता के लिए किसी उपाय द्वारा अनिप्राप्त करने के किसी प्रयत्न को आयोग द्वारा यह समझा जाएगा कि वह परीक्षा में प्रवेश के लिए उसे निरहित करता है ।

12. परीक्षा में सम्मिलित करने की बाबत आयोग का विनिश्चय अंतिम हो जाना :— परीक्षा में किसी अभ्यर्थी को सम्मिलित करने के लिए पात्रता या अन्यथा के बारे में आयोग का विनिश्चय अंतिम होगा और कोई भी अभ्यर्थी जिसे आयोग द्वारा सम्मिलित करने के लिए प्रमाणपत्र जारी नहीं किया गया है, परीक्षा में सम्मिलित नहीं किया जाएगा ।

13. अवबोध के लिए शास्त्र :— कोई अभ्यर्थी, जो प्रतिरूपण का, या गढ़ी हुई दस्तावेज़ या ऐसी दस्तावेजों को, जो विगड़ी गई है, पेश करने का या ऐसे कथन करने

का, जो गलत या मिथ्या है, या सारवान जानकारी को दबाने का परीक्षा में प्रवेश अभिप्राप्त करने के लिए किसी अन्य अन्तिमित या अनुचित उपाय का अन्यथा आश्रय लेने का, या परीक्षा भवत में नावाजिब साधन का उपयोग करने या उपयोग करने के लिए प्रवत्न करने का या परीक्षा भवत में कदाचार या परीक्षा भवत में अप्राधिकृत कागज-पत्र, पुस्तक, टिप्पणियां या वैसी ही उसके कब्जे में पाये जाने या उसकी पहुंच में होने का दोषी है या अप्योग द्वारा दोषी घोषित किया गया है तो, दाण्डिक अधियोजन का दायी होने के साथ ही उसे—

- (क) स्थायी रूप से या किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए
  - (i) आप्योग द्वारा किसी परीक्षा में समिलित होने या अध्यर्थियों के चयन के लिए आप्योग द्वारा किए गये किसी साक्षत्कार में उपस्थित होने से, और
  - (ii) सरकार द्वारा उसके अधीन नियोजन से अवर्जित किया जाएगा,
- (ख) यदि वह पहले से ही सरकार के अधीन सेवा में हो तो, सतुचित नियमों के अधीन अनुशासनिक कारबाई का दायी होगा।

14. सहन अध्यर्थियों की सूची बताता (1) प्रत्येक परीक्षा के पश्चात् प्रत्येक अध्यर्थी को अन्तिम रूप से दिए गए कुल अंकों द्वारा नथ; प्रकट अध्यर्थियों को आप्योग द्वारा गुणात्मक में क्रमांकित किया जाएगा; और उस क्रम में ऐसे बहुत से अध्यर्थियों की, जो आप्योग द्वारा परीक्षा में अर्हत पाए गए हैं, परीक्षा के परिणामों पर भरी जाने के लिए विनिश्चित अनारक्षित रिक्तियों की संख्या तक, नियुक्ति के लिए विफारिश की जाएगी।

(2) अहां तक अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या साधारण मानक के आधार पर न भरी जाए, वही तक किन्हीं अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के अध्यर्थियों की आप्योग द्वारा आरक्षित कोटि में कि उनका तक, परीक्षा में गुणात्मक में उनकी कुछ भी नियम होते हुए, रोका गया अवन के लिए इन अध्यर्थियों की योग्यता के अधीन रहते हुए, सिफारिश की जा गेगी;

परन्तु यदि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के अध्यर्थी इस नियम समय-समय पर जारी किए गए सरकारी अदेशों के अनुसार उनके लिए आरक्षित सभी रिक्तियों भरने के लिए पर्याप्त संख्या में उत्तराधार न हों, सो न भरी गई रिक्तियाँ सरकार द्वारा विहित रीति में भरी जाएगी।

15. चिकित्सक योग्यता: कोई भी अध्यर्थी सेवा में नियुक्त नहीं किया जाएगा, जो ऐसी चिकित्सा परीक्षा के पश्चात्, जो सरकार विहित करे, अच्छे मानसिक या शारीरिक स्वास्थ्य में और किसी मानसिक या शारीरिक दोष से मुक्त नहीं पाया गया है, जो सेवा में उनके कर्तव्यों के निर्वत्स में संभाव्यतः बाधा जाती वाला हो।

16. सहन अध्यर्थियों की सूची में सम्मिलित होना नियुक्ति के लिए कोई अधिकार प्रदत्त नहीं करता: सफल अध्यर्थियों की सूची में किसी अध्यर्थी का नाम सम्मिलित करना नियुक्ति के लिए कोई अधिकार प्रदत्त नहीं करता, जब तक सरकार का गोंसी जांच के पश्चात्, जो आवश्यक समझी जाए, यह समाधान न हो जाए कि अध्यर्थी सेवा में नियुक्ति के लिए सब बातों में उत्तमता है।

#### भाग IV—प्रोत्तिकार द्वारा नियुक्ति

17. विभिन्न शरणीयों में वैश्वरी द्वारा नियुक्ति—सेवा के प्रारम्भिक गठन के पश्चात्, विभिन्न श्रेणियों में विभिन्नतिक प्रकार से नियुक्ति की जाएगी:—

- (i) कनिष्ठ काल-बेतनमान: सेवा में कनिष्ठ काल-बेतनमान में प्रोत्ति द्वारा नियुक्ति, डाक-तार सेवा और वित सेवा वर्ष II में के अधिकारियों में से, जिनकी इस श्रेणी में अनुमोदित सेवा सात वर्ष से कम न हो, सम्यक् रूप से गठित विभागीय प्रोत्तिकार समिति की सिफारिश पर और आप्योग के साथ परामर्श करके गुणाधार पर चयन द्वारा की जाएगी।
- (ii) उपेत्त काल-बेतनमान: सेवा में उपेत्त काल-बेतनमान में, कनिष्ठ काल-बेतनमान में के ऐसे अधिकारियों की प्रोत्ति द्वारा, जिनकी इस श्रेणी में पांच वर्ष से कम की सेवा न हो, उपेत्तकार के क्रम में आप्योग के अवश्यकता के प्रवृहण के अधीन रहते हुए नियुक्ति की जाएगी;
- (iii) कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी:—सेवा में कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी में, सेवा में उपेत्त काल-बेतनमान के अधिकारियों में से, जिनकी उस श्रेणी में पांच वर्ष से कम की अनुमोदित सेवा न हो, सम्यक् रूप से गठित विभागीय प्रोत्तिकार समिति की सिफारिश पर, गुणाधार पर चयन द्वारा नियुक्ति की जाएगी।

- (iv) उपेत्त प्रशासनिक श्रेणी:—सेवा में उपेत्त प्रशासनिक श्रेणी में, सेवा की कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के अधिकारियों में से, जिनकी इस श्रेणी में तीन वर्ष से कम की अनुमोदित सेवा न हो, सम्यक् रूप से गठित विभागीय प्रोत्तिकार समिति की सिफारिश पर, गुणाधार पर चयन द्वारा नियुक्ति की जाएगी।

भाग V

18. प्रतिनियुक्ति द्वारा भर्ती.—सरकार, अनुरक्षण के प्रक्रम पर, सीधी भर्ती द्वारा या प्रोफ्रेशनल द्वारा यजोचित् अधिकारियों की उपलब्धता न होने की दशा में, ग्रामोग से परामर्श करने के पश्चात् डाक-सार सेवा से समूचित श्रेणी के अधिकारियों को ला सकेगी, जिसके न होने पर, भारतीय प्रशासनिक सेवा, केन्द्रीय सचिवालय ] सेवा, या किसी केन्द्रीय सेवा वर्ग से ला सकेगी, ”(प्रतिनियुक्ति की अवधि मामली तौर पर तीन वर्ष से अनधिक)

भाग VI

୩୮

19. (1) सेवा में या तो परीक्षा के माध्यम से नयन द्वारा वा प्रशिक्षित द्वारा नियुक्त अभ्यर्थी दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर होंगे :

**स्पष्टीकरण** :—दो वर्ष की प्रवधि की संगणना करने में सुरक्षारः—

(i) ऐसे पदों में, समतुल्य या उच्चतर उच्चरण्यायित्व को बहून करने वाले पदों में सेवा की किसी ग्रवधि की गणना कर सकती है।

(ii) किसी श्रेणी में प्रोप्रतातों की दशा में उस श्रेणी में स्थानापन्न रूप में सेवा की किसी अवधि को गणना कर सकेगी।

(2) परिवेक्षा की अवधि की भावाति पर, ग्रन्थार्थी, यदि स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य, समझे गए तो, स्थायी पदों में अधिष्ठायी रिक्तियों की उपलब्धता के अधीन रहते हुए अपनी अपनी नियुक्ति में पूछ किए जाएंगे।

( 3 ) सरकार उप-नियम ( 1 ) में विनिर्विष्ट परिवेश की प्रबंधि को बदा सकेगी ।

(4) यदि, यथास्थिति, उप-नियम (1) में निविष्ट परिवीक्षा की प्रवधि या उप-नियम (3) के प्रधीन बढ़ाई गई अवधि की समाप्ति पर, सरकार की यह राय है कि कोई अध्यर्थी, स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य नहीं है, या यदि ऐसी परिवीक्षा की प्रवधि या बढ़ाई गई अवधि के दौरान किसी भी समय उसका समाधान हो जाए कि परिवीक्षा की प्रवधि या बढ़ाई गई प्रवधि की समाप्ति पर अध्यर्थी स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य नहीं होगा तो, वह ऐसे अध्यर्थी को सेवोन्मुक्त कर सकेगी या उससे उसके अधिष्ठायी पद पर प्रतिवर्तित कर सकेगी या ऐसे आदेश कर राखेगी, जो वह ठीक समझे।

( ५ ) परिवीक्षा की अवधि के दौरान, सरकार द्वारा अन्यथी से बहु प्रपेक्षा की जा सकेगी कि वह ऐसे प्रणिक्षण और पाठ्यक्रम को पूरा करे और समाधानप्रद रूप में परिवीक्षा पूर्ण करने की शर्त के रूप में ऐसी परीक्षाओं और परीक्षणों में, जो वह ठीक समझे, उभीण करे।

20. सेवा में अधिकारी नियुक्ति :—सेवा में सभी अधिकारी नियुक्तियाँ सेवा के समुचित श्रेणी में और न कि उस श्रेणी में किसी विनियोग पद पर की जाएँगी।

**पृष्ठा 21. उपेष्ठा** :— (1) सेवा के मदस्तों की मूर्ची, उक्तो जेष्ठा के क्रम में, प्रत्येक थेणी के लिए पृथक्कनः बनाई रखी गायी ।

(2) प्रत्येक श्रेणी में सेवा के मदस्यों की जोखिता, नरलाल  
द्वारा, समय-समय पर जागी किए गए भरकारी कर्मचारियों की  
ज्येष्ठता को विनियमित करने वाले साधारण आदिशों के ग्रन्तार,  
अवधारित की जाएगी।

22. स्थानान्तरण के लिए वाधिक्रम.—मेवा के ग्रहिकारी भारत में कहीं भी स्थानान्तरण के लिए दायी दूंगे।

23. ਸਾਹ ਲਖਿਸ,

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिमरा पति या जिरी पत्नी जीवित हैं, विवाह किया है, या

(ब) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जोवित होने की किसी व्यक्ति से विवाह किया है।

सेवा में नियमित के पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि प्रेसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय हैं और प्रेसा करने के लिए अन्य आदार मंजूर हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रत्यंग से छुट्ट न करेगी।

**24. अवधारणा:** — इन नियमों या विनियमों या उनके प्रधीन किए गए या जारी किए गए आदेशों या विशेष आदेश के अन्तर्गत \* विनिर्दिष्टतः न आने वाले सामनों की बाबत, रेवा के मदस्य, फैल्ड्रीय सिविल सेवाओं को साधारण रूप भे तागू नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा शासित होंगे।

**25. विनियम और आवेश :** मरकार, हन नियमों से अवयंगत ऐसे विनियम और आवेश सभी मामलों के लिए उपबन्ध करने के लिए जिसके लिए उपबन्ध इन नियमों को प्रभावी करने में प्रयोग के लिए आवश्यक या व्यक्तिगत है बना सकेगी और जारी कर सकेगी।

**२६. शिथिल करने की जापिया:**—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या गवींचोन है, वहाँ उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखनद्वय करके तथा संघ नोह भेजा गया। इसके परामर्श करके इन नियमों के किसी उपर्युक्त नीतिकारों के किसी वर्ग या प्रवर्ग या पदों की वायन, प्रादेत छारा, गिरा कर सकेगी।

27. निर्वचन.—यदि इन नियमों के निर्वचन के सम्बन्ध में कोई प्रश्न उठता हो तो, उसे सरकार को निर्दिष्ट किया जाएगा, जो उसका विनिश्चय करेगी :

28. व्यापति :— इन नियमों की कोई भी बात, सरकार द्वारा समय-समय पर इसके बारे में जारी किए गए आदेशों

के अनुसार अनुसूचि 1 जातियों, अनुसूचित जनजातियों प्रौर अन्य वर्गितयों के विशेष प्रवर्गों के अभ्यर्थियों के लिए उपबन्धित किए जाने के लिए यथेति आरक्षण या अन्य रिपायतों को प्रभावी नहीं करेगी ।

### अनुसूची I

(नियम 2 (ब) देखिए)

कार्यालय का नाम	पद का अधिधान	पदों की संख्या	कुल
	जेष्ठ प्रशासनिक श्रेणी	स्थायी	अस्थायी
(वेतनमात्र 1800-100-2000-125-2250 रु०)			
डाक-तार निदेशालय	उप-महानिदेशक (लेखा) उप-महानिदेशक (वित्त)	2	--
			2

### कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी

(वेतनमात्र 1300-60-1600 रु०)

डाक-तार निदेशालय	निदेशक (लेखा) निदेशक (बजट) निदेशक (वित्त)	3	10	13
डाक-तार संकरा, प्रिये/अन्ना रामः कार्यालय	निदेशक (वित्त)			

### मुख्य लेखा अधिकारी

(वेतनमात्र 900-40-1100-50/2-1250 रु०)

ड.र-र.र निदेशक	सहायक महानिदेशक (900-40-1100-50/2- 1250 रु०)			
डाक-तार सर्फिन/जिले/ अन्य प्रशासनिक कार्यालय	मुख्य लेखा अधिकारी (900-40-1100-50/2- 1250 रु०)	7	33	40
साधारण प्रबंधक डाक-तार कर्मशाला, कলकत्ता	लागत लेखा अधिकारी (700-40-1100-50/2- 1250 रु०)			
उप-निदेशक (पी०एन०आई०) का कार्यालय, कलकत्ता	(उप निदेशक (पी०एन०आई०) (700-40-1100-50/2- 1250 रु०)			

## प्रान्तमूली-II

[नियम 4(1) देखिए]

नियत दिन को भारतीय डाक-तार लेखा और वित्त मंडवा वर्ग 1 के विभिन्न श्रेणियां की प्रायधकृत स्थायी तथा अस्थायी संख्या

श्रेणी	प्राधिकृत		कुल
	स्थायी	अस्थायी	
ज्येष्ठ प्रशासनिक श्रेणी	2	कुछ नहीं	2
कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी	3	10	13
ज्येष्ठ काल-वेतनमान	7	33	40
कनिष्ठ काल-वेतनमान	12	4	16

[सं. ० १७-६-एस०पी०ए० II

प्राप्त नाथ माही,  
महायक महानिवेशक (डाक-तार)।

(Posts and Telegraphs Board)

New Delhi, the 22nd May 1972

G.S.R. 771.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Telegraph Traffic Service Class II recruitment Rules, namely:—

1. (1) These rules may be called the Telegraph Traffic Service Class II Recruitment (Amendment) Rules, 1972.

(2) Rule 5 shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette and the remaining rules shall be deemed to have come into force on the 13th February, 1971.

2. In the Telegraph Traffic Service Class II recruitment Rules (hereinafter referred to as the said rules), in rule 1, for the words "recruitment Rules", the words and figures "Recruitment Rules, 1954" shall be substituted.

3. For rule 11 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely:—

"11 (1) A candidate must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 25 years on the first day of August of the year in which the examination is held.

(2) The upper age limit mentioned in sub-rule (1) may be relaxed in respect of candidate belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and such other categories of persons as may from time to time, be notified in this behalf by the Central Government to the extent and subject to the conditions notified in respect of each category.

(3) The upper age limit mentioned in sub-rule (1) may be relaxed up to 30 years in the case of the following persons, namely:—

NOTE 3:—A candidate who after submitting his application to the Posts and Telegraphs Department

ment. This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department during the period of his probation;

(b) a candidate who has continuously held for a period of not less than two years a temporary post of —

- (i) Repeater Station Assistant, or
- (ii) Forman and Technical Assistant, Telegraph workshops, or
- (iii) Temporary Assistant Engineer Workshop, or
- (iv) Engineering Supervisor, or
- (v) Workshop Supervisor,

under the Posts and Telegraphs Department, Provided that no candidate shall be permitted under the relaxation of the upper age limit mentioned in sub-rule (3) to compete more than three times at the examination.

NOTE 1.—If the examination held under this part is a combined examination for the purpose of making appointment to more than one service or post, a candidate shall be deemed to have competed at the examination once for all the services or posts ordinarily covered by the examination, if he competes for any one or more of the services or posts. A candidate shall be deemed to have competed at the examination if he actually appears in anyone or more subjects.

NOTE 2.—The candidature of a person who is admitted to the Examination under the age of concession mentioned in sub-rule (3) is liable to be cancelled if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his department either before or after taking the examination. He will however, continue to be eligible if he is retrenched from the Service or post after submitting his application for the examination under this part.

NOTE 3.—A candidate who, after submitting his application to the Posts and Telegraphs Department

is transferred to other Department/Office, will be eligible to compete under the age concession mentioned in sub-rule (3) for appointments to the service, for which he would have been eligible but for his transfer, provided his application is forwarded by the Posts and Telegraphs Department.

Save as provided above, the age limits prescribed can in no case be relaxed."

4. After rule 20 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely:—

**"20-A. Disqualification:—**

No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the Service:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. In rule 23 of the said rules, for the portion beginning with words "a candidate eligible for appearing in the said examination" and ending with the words "rendered as Telegraph Master", the following shall be substituted, namely:—

"A candidate eligible for appearing in the said examination shall have a minimum of 5 years approved service as Telegraph Traffic Supervisor, which will include service, if any rendered as Telegraph Master on the 1st July of the calendar year in which the examination is held."

6. In Appendix III to the said rules, for the first paragraph which deals with the scheme of examination, the following paragraph shall be substituted, namely:—

Subjects	Maximum Marks
(a) Compulsory	
1. English (including essay and precis writing)	100
2. General Knowledge	100
3. Electrical Communication Engineering	100
4. Electrical Engineering	100
5. Applied Mathematics	100
6. Mechanical Engineering	100
7. Personality Test	300
Total.	1000
(b) Optional.—Any two of the following subjects:—	
1. Prime Movers	100
2. Physics (including Electricity and Magnetism)	100
3. Applied Mechanics	100

**NOTE 1.—**All Papers must be answered in English.

**NOTE 2.—**Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them."

**Explanatory Memorandum**

For quite some time, no recruitment had been made to the Telegraph Traffic Service Class II, through the Engineering Services Examination although the Recruitment Rules for the service provided for such direct recruitment. It has now been decided to revive partially recruitment through the aforesaid examination starting from the 1971 examination. Since, certain provisions in the Telegraph Traffic Service Class II recruitment Rules, originally published in 1954, had of late undergone changes, it has become necessary to bring those provisions upto date. An announcement for the Engineering Services Examination held in 1971, was made by the Union Public Service Commission on the 13th February, 1971. To facilitate recruitment through that examination, it is necessary to give to the amendments relating to "Age limits", "Disqualification," and "Scheme of Examination" retrospective operation from the date of the issue of the announcement of the said examination.

2. It is hereby certified that giving retrospective effect to the afore-mentioned amendments would not prejudicially affect the right of any person already in service.

[No. 50/1/71-STA-I.]

S. C. SACHDEVA,

Asst. Director General (SG).

(आकाश तार बोर्ड)

तार विलेनी, 22 मई 1972

ता० का० नि० 772.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्पराक ग्राहा प्रदेश शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, तार परियात सेवा वर्ग-II भर्ती नियम में और आगे संशोधन करने के लिये एक्सप्रेस नियम जनाते हैं, अधीन :—

(1) ये नियम तार परियात सेवा वर्ग-II भर्ती (संगोष्ठी) नियम, 1972 कहे जा सकेंगे।

(2) नियम 5 राजपत्र में प्रकाशित की तारीख को प्रारूप होगा तथा जेष नियम 13-2-1971 को प्रारूप हुए समझे जायेंगे।

2. तार परियात सेवा वर्ग-II भर्ती नियम (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त नियम कहा गया है) के नियम 1 में "भर्ती नियम 1954" पश्च तथा एक प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

3. उक्त नियम के नियम 11 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, प्रथम :—

"11. (1) अध्यर्थी को, जिस वर्ष में परीक्षा होती हो उस वर्ष की पहली प्रगति को 20 वर्ष की आयु पूरी कर लेनी चाहिए और 25 वर्ष की आयु पूरी नहीं करनी चाहिए।

(2) उपनियम (1) में वर्णित अधिकतम आयु-सीमा अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अक्षियों के ऐसे अन्य प्रकारों के अध्यक्षियों की बाबत

प्रयोग पक्की के नामे में अधिकृति उप भीमा तक और उप शर्तों के प्रयोग रहते हुए, जो प्रकार द्वारा समर समर पर इस विभिन्न अधिकृति की जाएं, यिथिल की जा सकेगी।

(3) निम्नलिखित व्यक्तियों के मामते में उत्तरत (1) में वर्णित अधिकृति आयु-सीमा 30 वर्ष तक शिवित की जा सकेगी, अर्थात् :-

(क) ऐसा अधिकृति, जो डाक-नार विभाग में किसी स्वामी पद को प्रदेशीयों द्वा र्पे धारण करता है। यह ग्रीष्मीयां विभाग में किसी स्वामी पद के प्रति नियुक्त परीक्षों विभिन्न को उत्तरा उर्द्धवेशीयां अवधि के द्वारा अनुमेय नहीं होगा।

(ख) ऐसा अधिकृति जो डाक-नार विभाग के प्रयोग नियम किसी अस्थायी पद पर दी वर्ष से अनुमति उप लाभात्मक हो :--

- (1) रिंडर स्टेशन सहायक, अवधा
- (2) तार वर्कशाप में फोरवैन तथा तकीयों सहायक, अवधा
- (3) अस्थायी सहायक इंजीनियर वर्कशाप, अवधा
- (4) इंजीनियरों पर्वेशक, अवधा
- (5) बर्कशाप पर्वेशक

परन्तु किसी अधिकृति को उत्तरत (3) में वर्णित अधिकृति आयु-सीमा के विभिन्न रूपों के अवोन परीक्षा में तो बार तो अप्रेह प्रतिशोधी होने के लिए अनुमति नहीं किया जाएगा।

दिव्यांशु 1 :--यदि इस भाग के अन्तर्गत की गयी परीक्षा, एक से अधिक सेशा या एक पर नियुक्ति के प्रयोग के लिए सदृश परीक्षा हो और यदि कोई अधिकृति एक या अधिक सेशा या पद के लिए प्रतिशोधी रहा हो तो उसे इस परीक्षा के अन्तर्गत साधारणतः आने वाली सभी सेशाओं या पदों के लिए परीक्षा में एक बार प्रतिशोधी रहा समझा जाएगा। यदि कोई अधिकृति वास्तव में किसी एक विद्या या अधिकृत विद्यों में बैठता है तो उसे परीक्षा में प्रतिशोधी रहा समझा जाएगा।

दिव्यांशु 2 :--ऐसे व्यक्ति की जिसे उत्तरत (3) में वर्णित आयु-रिप्रेयत के अन्तर्गत परीक्षा में सम्मिलित किया जाता है अधिकृति रद्द की जा सकती है, यदि उसने अपना आवेदन प्रदृश करते के पश्चात् परीक्षा से पहले या परीक्षा देने के पश्चात् सेशा में त्याग पत्र दे दिया हो अथवा विभाग ने उसकी सेशा समाप्त कर दी हो। लेकिन वह पत्र बता रक्खेगा, यदि इस भाग के अन्तर्गत परीक्षा के लिए आपना आवेदन प्रदृश करते के पश्चात् उसकी सेशा या पद से क्षणिकर दी जाती हो।

दिव्यांशु 3 :--यह अधिकृति, जिसका डाक-नार विभाग में अपना आवेदन प्रदृश करने के पश्चात् अन्य विभाग/कार्यालय में स्वामान्तरण हो जाता है तो उत्तरत (3) में वर्णित आयु विभाग के अन्तर्गत सेशा में नियुक्ति के लिए, जिसके लिए वह पात्र होता, यदि उसका स्थानान्तरण न होता, प्रतिशोधी होने का पात्र होगा, परन्तु यह सब जब कि उसका आवेदन डाक-नार विभाग से अप्रेवित कर दिया हो।

आर यवाउरवंशित के सिवाय विहित आयु-सीमाएँ किसी भी दशा में विद्यित नहीं की जा सकेगी।"

4. उक्त नियम के नियम 20 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्यस्वापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"20-फ-रिईता :

- (क) वह व्यक्ति, जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या पत्नी जीवित है, विवाह किया है, वा
- (ख) जिसने आने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त में नियुक्ति का पात्र नहीं होता :

परन्तु यदि केश्मी राजकार का समावान हो जाए कि ऐसा न रहे व्यक्ति और विवाह के अंत्य पक्षकार को लातू स्वीय विवित के अवोन अनुमेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आवार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रबंधन से छोड़ दे देते हैं।"

5. उक्त नियम के नियम 23 में "उक्त परीक्षा में बैठने के पश्च अपर्याप्ति" शब्दों से प्रारम्भ होने वाले और "तार मास्टर के रूप में की गई" शब्दों से समाप्त होने वाले भाग के स्वाम पर निम्नलिखित प्रतिस्वापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"उक्त परीक्षा में बैठने के लिए पात्र अपर्याप्ति की तार परिवास पर्वेशक के रूप में कम से कम 5 वर्ष की अनुमोदित सेशा हो, जिसमें किसी कलैण्डर वर्ष की, जिस वर्ष में परीक्षा होती है, पहली जुलाई को तार मास्टर के रूप में की गई सेशा भी, यदि कोई शामिल होगी।"

6. उक्त नियम के परिशिष्ट III में पहले पैरा, जो परीक्षा स्कीम के बारे में है, के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा, प्रथम् ।—

विषय	अधिकतम अक्ष
<b>(क) अनिवार्य</b>	
1 अंग्रेजी (निम्नध तथा सक्रियत लेखन सहित)	100
2 सामान्य ज्ञान	100
3 विद्युत संचार इंजीनियरी	100
4 विद्युत इंजीनियरी	150
5 व्यावहारिक गणित	100
6 यांत्रिक इंजीनियरी	150
7 व्यक्तित्व जांच	300
कुल	1000

**(ख) वैकल्पिक**

निम्नलिखित विषयों में से कोई दो	
1 प्राइम मूवर	100
2 भौतिक शास्त्र (विद्युत तथा चुम्मकत्व सहित)	100
3 व्यावहारिक यांत्रिकी	100

टिप्पण :— 1 सभी पर्याप्त का उत्तर अंग्रेजी में देना चाहिए ।

टिप्पण :— 2 अध्यर्थियों को उत्तर अपने हाथ से ही लिखना चाहिए । किमी भी परिस्थिति में उन्हें उत्तर लिखने के लिए किसी व्यक्ति की मदद लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

**व्याख्यातमक जापन।**

काफी समय से तार परियात सेवा श्रणी II में इंजीनियरी मेवा परीक्षा के माध्यम से कोई भर्ती नहीं की गई है । यद्यपि मेवा के भर्ती नियमों में ऐसी सीधी भर्ती की व्यवस्था है । अब 1971 की परीक्षा से लेकर उक्त परीक्षा के जरिए आशिक रूप से यह भर्ती पुनः चालू करने का निर्णय किया गया है । यूकि तार परियात सेवा श्रणी II भर्ती नियमों के, जो मूल रूप से 1954 में प्रकाशित किए गए थे, कुछ प्रावधानों में हाल में परिवर्तन किए गए, अतः उन प्रावधानों को अद्यतन बनाना आवश्यक हो गया है । संघ सोक सेवा प्रायोग ने 1971 में हुई इंजीनियरी मेवा परीक्षा की एक घोषणा 13-2-1971 को की थी । उस परीक्षा के जरिए भर्ती को सुगम बनाने के लिए यह आवश्यक है कि “आयु-सीमा” “अयोग्यता” तथा “परीक्षा योजना” संबंधी संशोधनों को उक्त परीक्षा की घोषणा को जारी करने की तारीख से लागू किया जाए ।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि उल्लिखित संशोधनों को विगत तारीख से लागू करने से सेवा में पहले से ही मौजूदा व्यक्तियों के अधिकार पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

[सं० 50/1/71-एस० टी० ए० – 11]

शिवचन्द्र सचदेव,  
सहायक महानिदेशक (एस० जी०)

**MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT**  
**(Roads Wing)**

New Delhi, the 4th March 1972

**G.S.R. 772**— In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution the President hereby makes the following rules to amend to the Central Engineering Service (Roads) Class II posts Recruitment Rules, 1969, namely :—

(1) These rules may be called the Central Engineering Service (Roads) Class II posts Recruitment (Amendment) Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Central Engineering Service (Roads) Class II posts Recruitment Rules 1969—(i) against serial No. 1 relating to the post of Assistant Engineer (Civil), in column 11, for the entries at (A) and (B) before the Note, the following shall be substituted, namely :—

“(A) possess a degree in Civil Engineering of a recognised University or equivalent and have put in 3 years' total service on the Civil Engineering side in any one or more of the aforesaid grades;”

(B) possess a diploma in Civil Engineering of a recognised University or equivalent and have put in 8 years' total service on the Civil Engineering side in any one or more of the aforesaid grades.”;

(ii) for serial No. 2 relating to the post of Assistant Engineer (Mechanical) and the entries relating thereto, the following serial number and other entries shall be substituted, namely :—

SCHEDULE

*Recruitment Rules for the post of Assistant Engineer (Mechanical) in Ministry of Shipping and Transport.*

Name of post.	No. of posts.	Classification.	Scale of Pay	Whether selection post for direct or non-selection post.	Age limit for direct recruits.	Educational and other qualifications required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees.
1	2	3	4	5	6	7	8
2. Asstt. Engineer} (Mech.)	1	Central Engineering Service (Roads) Class II, Gazetted Non-Governmental	Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900	Selection	Not applicable	Not applicable	Not applicable

Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recrt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recrt. by promotion / deputation/transfer grades from which promotion/deputation/ transfer to be made	If a D.P.C. exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recrt.
9	10	11	12	13
2 years.	By promotion, failing which by transfer on deputation	<p><i>Promotion:</i></p> <p>Chief Draftsmen, failing which Project Computers (Selection grade) and D' man Gr. 'A' (Selection Grade) who</p> <p>(A) possess a degree in Mech. Engineering of a Recognised University or equivalent and have put in three years total service on the Mechanical Engineering side in any one or more of the aforesaid grades.</p> <p>(B) possess a diploma in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent, and have put in eight years total service on the Mechanical Engineering side in any one or more of the aforesaid grades.</p> <p><i>NOTE :</i> The vacancies shall be filled in equal proportion as indicated at (A) and (B) above by rotation, i.e., the first vacancy shall go to an officer of category (A), the second vacancy to an officer of Category (B), the third vacancy to an officer of Category (A) and so on. If no candidate belonging to the category for whom a vacancy is meant is available, the vacancies shall be filled by a candidate belonging to the other category.</p> <p><i>Transfer on deputation :</i></p> <p>Officers holding analogous posts in Central/State Govts. (Period of deputation—ordinarily not exceeding three years).</p>	Class II Departmental Promotion Committee.	As required under the UPSC (Exemption from Consultation) Regulation, 1958".

[No. F. A-22(18)68.]

New Delhi, the 10th May 1972

*Explanatory Memorandum*

G.S.R. 773.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Engineering Service (Roads) of the Ministry of Transport and Shipping (Roads Wing), Class I, Recruitment Rules, 1959, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Engineering Service (Roads) of the Ministry of Transport and Shipping (Roads Wing), Class I, Recruitment (Amendment) Rules, 1972.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 25th day of March, 1972.

2. In rule 9 of the Central Engineering Service (Roads) of the Ministry of Transport and Shipping (Roads Wing), Class I, Recruitment Rules, 1959, in clause (iv) for the figures "25", the figures "30" shall be substituted.

The Government of India have decided to raise the upper age limit of 25 to 30 for recruitment to services and posts recruitment to which is made through the Engineering Services Examinations. The revised age limit will be operative for 2 years i.e. in respect of the Engineering Services Examinations to be held in 1972 and 1973. The notice for the Engineering Services Examination for 1972 issued on 19th February, 1972 was amended on 25th March, 1972, accordingly. As recruitment to the posts of Assistant Executive Engineer which form part of the cadre of the Central Engineering Services (Roads) Class I, is made in the results of the Engineering Services Examinations, it is proposed to amend the age limit prescribed in Rule 9 of the Central Engineering Services (Roads) of the Ministry of Shipping and Transport (Roads Wing), Class I Recruitment Rules, 1959, from 25 to 30 years, with effect from 25th March, 1972, i.e., the date on

which the notice for the Engineering Services Examination for 1972 was amended by the U.P.S.C. It is certified that this amendment will not in any way affect prejudicially the interests of the existing officers of the Central Engineering Services (Roads) Class I.

[No. A-22(42)/71.]

P. L. GUPTA, Under Secy.

**(Inland Water Transport Directorate)**

New Delhi, the 4th May 1972

**G.S.R. 774.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Daftry (Selection Grade) in the Head Quarters office of the Inland Water Transport Directorate, New Delhi, Ministry of Shipping and Transport, Namely:—

**1. Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Inland Water Transport Directorate Daftry (Selection Grade) Recruitment Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

**2. Application.**—These rules shall apply to the post specified in column (1) of the Schedule hereto annexed.

**3. Number, classification and scale of pay.**—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the said Schedule.

*Recruitment Rules for the Post of Daftry (Selection Grade), Inland Water Transport Directorate, Ministry of Shipping & Transport,  
New Delhi*

Name of post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or Non-Selection post.	Age-limit for direct recruits.	Educational Qualifications for direct recruits
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Daftry (Selection-Grade)	I	General Central Service Class IV, Non-Gazetted.	Rs. 80—1—85—2—95—EB—3—110	Non Selection	Not applicable	Not applicable
Whether age and educational qualification prescribed for the direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruit, or by promotion or by deputation transfer, and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectts by promotion / deputation/ transfer grades from which promotion/deputation/ transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which U. P. S. C. is to be consulted in making recruitment	
(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	
Not applicable	2 years	By promotion.	Promotion : Daftries having put in at least three years service in the grade.	Class IV Departmental Promotion Committee,	Not applicable.	

[No. 14-IWT(37)/71.]

R. C. GUPTA, Under Secy.

नौवहन तथा परिवहन मंत्रालय  
(अन्तर्देशीय जल परिवहन निवेशालय)

नई दिल्ली, 4 मई 1972

**जो० एस० आर० 774—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नौवहन तथा परिवहन मंत्रालय के अन्तर्देशीय जल परिवहन निवेशालय, नई दिल्ली में दफतरी (प्रबरण का) पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने थाले निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाते हैं, अर्थात् :—**

**1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—** (1) इन नियमों का नाम अन्तर्देशीय जल परिवहन निवेशालय दफतरी (प्रबरण वर्ग) भर्ती नियम 1972 होगा।

(2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना : ये नियम इससे उपायक्रम अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।

3. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे जो उन अनुसूची के स्तम्भ (2) से (4) तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और अन्य बातें :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमाएं, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ (5) से (13) तक में विनिर्दिष्ट हैं।

5. निरहंताएं :—वहाँ व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति में विवाह किया है। सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पश्चात्कार को लागू स्वीकृत विधि के प्रधीन अनुशेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

6. विधिय करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आयोग का समीचीन है वहाँ वह, उसके लिए जो कारण है उसमें लिपिबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपकरण को, किसी वर्ग या प्रबरण के व्यक्तियों मा पदों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकती।

7. ध्यावृत्ति : परन्तु इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जागे कि ग्रामीणों के अनुसार किसी भी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या किसी अन्य प्रबरण के अधिकारियों के संबंध में सुरक्षित रख गए हैं तो और दी गई अन्य रियायतों पर इन नियमों का कोई प्रभाव नहीं होगा।

**अनुसूची**

अन्तर्देशीय जल परिवहन निवेशालय (नौवहन और परिवहन मंत्रालय) न. दिल्ली नौवहन और परिवहन मंत्रालय के अन्तर्देशीय जल परिवहन निवेशालय, नई दिल्ली में दफतरी के पदों के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अध्यवा अचयन पद	भीष्म भर्ती की जाने वाले व्यक्तियों के लिए आग
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
दफतरी (प्रबरण वर्ग)	1 4, अराजपत्रित	सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी 4, अराजपत्रित	रु 80-1-80-2-95- द० रो० 3-11०	ग्रा० रण	लागू नहीं होता

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परिवेश की कालावधि, यदि हो अन्य अर्हतायें विहित आयु और शैक्षिक अर्हतायें प्रोत्तरों की दशा में लागू होंगी या नहीं

7

8

9

लागू नहीं होता

लागू नहीं होता

2 वर्ष

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोत्तरि द्वारा या प्रति-नियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे वे दफतरी जिन्होंने पद में कम से कम तीन वर्ष की सेवा की हो

प्रोत्तरि/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण यदि विभागीय प्रोत्तरि समिति द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे हैं तो उसकी संरचना प्रोत्तरि/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

(10)

(11)

(12)

(13)

प्रोत्तरि द्वारा

प्रोत्तरि :—

श्रेणी 1

वे दफतरी जिन्होंने पद में कम से कम विभागीय प्रोत्तरि समिति तीन वर्ष की सेवा की हो

लागू नहीं होता

[संख्या 14-आई० डब्ल्यू० टी० (37)/71]

आर० सी० गुप्ता, अवर सचिव ।

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

## (Department of Family Planning)

New Delhi, the 31st May, 1972

**G. S. R. 775.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of *Deputy Director (Transport)* in the Central Health Transport Organisation R.K.Puram, New Delhi under the Department of Family Planning, namely:

**1. Short title and commencement:** (i) These rules may be called the Central Health Transport Organistation (Deputy Director (Transport)) Recruitment Rules, 1972.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

**2. Number, classification and Scale of Pay.**—The number of posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

**3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.**—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

Provided that the upper age limit prescribed for direct recruits may be relaxed in the case of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the general orders of the Central Government issued from time to time.

**4. Disqualification.**—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any persons from the operation of this rule.

**5. Power to relax.**—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

**6. Savings.**—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or non-Selection Post	Age limit for direct recruitment
I	2	3	4	5	6
Deputy Director (Transport)	6	General Central Service Class I Gazetted Non-Industrial.	Rs. 1100-50-1400	Not applicable	45 years (Relaxable for Government Servants)

Educational & other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees.	Period of probation, if any.	Method of rectt. whether by direct or by promotion or by deputation transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.
7	8	9	10

*Essential:*

(i) Degree in Mechanical or Automobile Engineering Not applicable. 2 Yrs. By direct recruitment from a recognised University or equivalent.

(ii) About 12 years experience in a responsible capacity in development and administration of workshops in a Transport Organisation.  
(Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).

*Desirable:*

Corporate Membership of any professional institution related to Transport.

In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making rectt.
-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-----------------------------------------	--------------------------------------------------------------------------------------------

II	12	13
Not applicable	Not applicable.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.

[No. A.12018/3/71-ST]

R. P. MARWAHA,  
Under Secy. (A).

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(परिवार नियोजन विभाग)

नई दिल्ली, 31 मई, 1972

जी० एम० आर० 775.—मंत्रिधान ने अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए राष्ट्रपति एतद्वारा परिवार नियोजन विभाग के प्रनगणन केन्द्रीय स्वास्थ्य परिवहन मंगठन, नई दिल्ली में उप निदेशक (परिवहन) के पद पर भर्ती की विधि को विनियमित करने के लिये निम्नलिखित नियमावली बनाने हैं, अर्थात् :—

1. सभिष्ठ नीर्वक आर० पारम्परः—(1) ये नियम केन्द्रीय स्वास्थ्य परिवहन मंगठन उप निदेशक (परिवहन) भर्ती नियमावली 1972 कहाये जा सकेंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

2. पदों की मंज्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान :—उक्त पदों की मंज्या, उनका वर्गीकरण तथा वेतनमान वहीं होंगे जो इनके साथ सलग्न अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में निर्दिष्ट है।

3. भर्ती की विधि, आयु सीमा और अर्हताएँ :—उक्त पद पर भर्ती की विधि, आयु सीमा, अर्हताएँ और अन्य बातें वहीं होंगी जैसा कि उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में निर्दिष्ट है।

परन्तु केन्द्रीय सरकार द्वारा सभी समय पर जारी किए गए सामान्य आदेशों के अनुसार अनुसूचित जन जाति तथा अन्य विशेष प्रवर्गों के अन्य व्यक्तियों के मामले में सीधी भर्ती के लिए निर्धारित अधिकतम आयु सीमा शिथिल की जा सकती है ।

4. अनहंता :—कोई भी व्यक्ति,

(क) जो किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह करता/करती है, अथवा विवाह की संविदा करता/करती है जिसका कि पति या जिसकी पत्नी जीवित हो, अथवा

(ख) जो व्यक्ति एक पति/एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति के माथ विवाह करता/करती है अथवा विवाह की संविदा करता/करती है, उक्त पद पर नियुक्ति का पालन नहीं होगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार का यह समाधान होने पर की ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्षकार पर लागू होने वाली विधि के अधीन अनुग्रह है, और ऐसा करने के अन्य आधार है, वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है ।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार का यह मत हो कि ऐसा करना आवश्यक अथवा ईष्टानुकूल है वहाँ वह कारणों को लिखित रूप में रिकाउं करके किसी भी श्रेणी अथवा वर्ग के व्यक्तियों के मामले में संघ सोक सेवा आयोग से सलाह लेकर इन नियमों के किसी भी उपबन्ध को आदेश जारी कर मिथिल कर सकती है ।

6. अपवाद :—इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार द्वारा सभी समय पर जारी किए गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य विशेष वर्गों के लिए जिन आरक्षणों और अन्य रियायतों की व्यवस्था करना प्रपेक्षित है उन पर इन नियमों में विहित किसी बात का प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

प्रत्यु

पदनाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	क्या सेलेक्शन सीधी भर्ती के लिए सीधी भर्ती के लिए अपेक्षित पद अथवा गैर आयु शैक्षिक तथा अन्य अहंताएं सेलेक्शन पद	5	6	7
1	2	3	4				
उप निदेशक (परिवहन)	6	सामान्य केन्द्रीय सेवा क्लास 1 राजपत्रित अनुसन्चिवार	1100-50-1400 रु०	लागू नहीं होता	45 <sup>वर्ष</sup> ](सरकारी अनिवार्य कर्मचारियों के लिए शिखिलनीय)।	(1) किसी मान्यता प्राप्त है विश्वविद्यालय से मेकेनिक या आटोमोबाइल इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष।	
					(2) किसी परिवहन संगठन में वर्कशाप के विकास और प्रशासन सम्बन्धी कार्य का किसी दायित्व पूर्ण पद पर लगभग 2 वर्ष का अनुभव।		
					(सुधोग्य अहंता प्राप्त उम्मीदवारों के मामलों में संघ लोक सेवा आयोग की स्वैच्छिक पर अहंताएं शिखिलनीय हैं)।		
					वांछनीय परिवहन सम्बन्धी किसी व्यावसायिक संस्थान की नियमित सदस्यता।		

## सूची

क्या पदोन्नति से रखे परिवीक्षा की ग्रन्थिभर्ती का तरीका सीधी जाने वाले उम्मीदवारों यदि कोई हो भर्ती द्वारा या पदोन्नति के मामल में सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए निर्धारित आमु और शैक्षिक अर्हताएं लागू होगी ।

पदोन्नति या प्रतिनियुक्ति यदि विभागीय या स्थानान्तरण के पदोन्नति समिति है भर्ती के लिए संघीय द्वारा भर्ती के मामले में तो उसका क्या लोक सेवा आयोग से वे मेड जिनसे पदोन्नति गठन है । परामर्श लिया जाता है ।

विभिन्न तरीकों द्वारा भरे जाने वाले पदों की प्रतिशता ।

पदोन्नति या स्थानान्तरण किया जाना है ।

8

9

10

11

12

13

लागू नहीं होता

2 वर्ष

सीधी भर्ती द्वारा

लागू नहीं होता

लागू नहीं होता

संघ लोक सेवा आयोग  
(परामर्श से छूट)  
अधिनियम 1958 के  
अन्तर्गत यथापे कित ।

[संख्या ए-12018/3/71-एस० टी०]

मार० पी० मरवाहा, अवर सचिव ।

**MINISTRY OF AGRICULTURE**

**(Department of Community Development and Co-operation)**

New Delhi, the 30th May 1972

**G.S.R. 776.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to certain posts for the scheme for Rural Employment in the Ministry of Agriculture (Department of Community Development), namely:—

**1. Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Department of Community Development (Scheme for Rural Employment—Gazetted Posts) Recruitment Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

**2. Application.**—These rules shall apply for recruitment to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed hereto.

**3. Number, Classification and Scale of Pay.**—The number of the said posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

**4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.**—The method of recruitment to the said posts, age limit qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid:

*Recruitment Rules for the Post of (i) Joint Commissioner, (ii) in Deptt. of Community Development and Cooperation, Deputy Commissioner, (iii) Assistant Commissioner for the Crash Scheme for Rural Employment*

Name of Post <sup>1</sup>	No. of Posts	Classification <sup>2</sup>	Scale of Pay <sup>3</sup>	Whether Selection Post or non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
I. Joint Commissioner (Rural Employment).	I	General Central Service Class I (Gazetted).	Rs. 1800—100—2000	Not applicable	Not applicable	Not applicable

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making rectt.
---------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-----------------------------	---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------

8	9	10	11	12	13
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation.	<i>Transfer on deputation :</i> Officers of the Indian Administrative Service and Central Service Class I including Selection Grade of the Central Secretariat service eligible for appointment to the post of Director in the Government of India Secretariat and officers of State Governments of equivalent status and having adequate experience in Rural Development Programmes preferable with special reference to Rural Manpower & Rural Works Programmes. (Period of deputation—ordinarily not exceeding 4 years).	Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations 1958.

1	2	3	4	5	6	7
Deputy Commissioner (Rural Employment)	I	General Central Service Class I (Gazetted)	Rs. 1500—60—1600	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.

8	9	10	11	12	13
Not applicable.	Not applicable.	By transfer on deputation.	<i>Transfer on deputation :</i> Officers of the Indian Administrative Service and Officers under the Central/State Governments holding analogous posts, falling which Officers with at least 5 years' service in posts in the scale of Rs. 700—1250 or equivalent and having experience in Rural Development Programmes preferably with special reference to Rural Manpower and Rural Works Programmes. (Period of deputation—ordinarily not exceeding 4 years).	Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.

1	2	3	4	5	6	7
Assistant Commissioner (Rural Employment)	2	General Central Service Class I Gazetted	Rs. 700—40—1100— 50/2—1250	Not applicable.	40 years (Relaxable for Government servants).	<p><i>Essential :</i></p> <p>(i) Master's degree in Economics from a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) About 5 years experience in Rural Development Programmes.</p> <p>(Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).</p> <p><i>Desirable :</i></p> <p>(i) Degree or Diploma in Rural Development or Agronomy, etc.</p> <p>(ii) Experience with special reference to Rural Manpower or Rural Works Programmes or knowledge of financial procedure, accounts etc., together with experience of scrutiny of Plan Schemes or Projects.</p>
Not applicable.	2 years	50% by direct recruitment, failing which by transfer on deputation, 50% by transfer on deputation.	<i>Transfer on deputation :</i> Officers holding analogous posts under the Central or State Governments, failing which officers with at least 5 and 8 years service in the scale of Rs. 400—950 and Rs. 350—900 respectively or equivalent and having experience in Rural Development Programmes with special reference to Rural Manpower/Rural Works Programmes or knowledge of financial procedure, accounts, etc., together with experience of scrutiny of plan schemes or projects. (Period of deputation—ordinarily not exceeding 3 years).	Not applicable.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from consultation) Regulations, 1958.	

[No. F.A-12011/21/71-Estt.I.]

PRIYA PRAKASH, Dy. Secy.

## कृषि मंत्रालय

(सामुदायिक विकास और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 30 मई, 1972

**स्थानकांगिं 776** .—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कृषि मंत्रालय (सामुदायिक विकास विभाग), में ग्राम्य नियोजन की स्कीम के लिए कठिपय पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाते हैं अर्थात् :—

1. संभिष्ठ नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का साम सामुदायिक विकास विभाग (ग्राम्य नियोजन की स्कीम-राज्य परित पद) भर्ती नियम, 1972 होगा ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. लागू होना :—ये नियम इससे उपायद्वारा अनुसूची के स्तंभ 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे ।

3. पद-संब्या, वर्गीकरण और बेतन ता :—उक्त पदों की संब्या, उनका वर्गीकरण, और उनके बेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तंभ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं ।

4. भर्ती की पद्धति, आयुसीमा और अवधि अर्हताएँ :—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएँ और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तंभ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं ।

परन्तु उक्त अनुसूची के स्तंभ 6 में सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की बाबत विनिर्दिष्ट अधिकतम आयु सीमा, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर निकाले गए आदेशों के

अनुसार, किसी भी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या किसी अन्य विशेष प्रवर्गों के अध्यार्थियों के संबंध में शिथिल की जा सकेंगी ।

**निरहंताएँ** :—वह व्यक्ति—

(क) जसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किमी व्यक्ति से विवाह किया है ।

उक्त पदों में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुशेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी ।

6. शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लिपिबद्ध कर के तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी ।

7. व्याबृति :—इन नियमों की कोई भी बात उन आदेशों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसूचित जाति, और अनुसूचित जनजाति और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध अरना अपेक्षित है ।

### श्रमसूचों

मामुदायिक विकास और सड़कारना विभाग में ग्राम्य नियोजन की अधिन्वरित स्कीम के लिए (i) सवृत्त आयुष्ट (ii) उपायुस्त, (iii) महायक आयुक्त के पदों के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद श्रव्यवा अव्यव्यन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु
1	2	3	4	5	6

1 संयुक्त आयुष्ट (ग्राम्य नियोजन)	1	माधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 1 (राजनियत)	1800-100-2000 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
--------------------------------------	---	-------------------------------------------	----------------------	----------------	----------------

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित परिवीक्षा की अवधि यदि हो शैक्षिक और अन्य अहंताएं आयु और शैक्षिक अहंताएं प्रोफ्रेशनों की दशा में लागू होगी या नहीं

7

8

9

लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
----------------	----------------	----------------

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा यदि विभागीय प्रोफ्रेशन भर्ती करने में किन परिस्थितियों में भर्ती की दशा में बे श्रेणियां जिनसे समिति है तो उसकी संघ लोक आयोग से परामर्श किया जाएगा भर्ती की पद्धति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों पर विभिन्न भर्ती की पद्धति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत

प्रतिशत

10

11

12

13

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा के श्रेणीय सेवा वर्ग 1 के, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सचिवालय सेवा की चयन श्रेणी है, अधिकारी जो भारत सरकार सचिवालय में निदेशक के पद पर नियुक्ति के पास है तथा राज्य सरकार के समतुल्य प्रास्थिति वाले और ग्राम विकास कार्यक्रमों में, अधिमानत: और विगेष रूप से ग्राम जनशक्ति और ग्राम संकर्म कार्यक्रम के प्रसंग में, पर्याप्त अनुभव रखने वाले अधिकारी। (प्रतिनियुक्ति की अवधि-मामान्यता: 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण: लागू नहीं होता भारतीय प्रशासनिक सेवा के श्रेणीय सेवा वर्ग 1 के, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सचिवालय सेवा की चयन श्रेणी है, अधिकारी जो भारत सरकार सचिवालय में निदेशक के पद पर नियुक्ति के पास है तथा राज्य सरकार के समतुल्य प्रास्थिति वाले और ग्राम विकास कार्यक्रमों में, अधिमानत: और विगेष रूप से ग्राम जनशक्ति और ग्राम संकर्म कार्यक्रम के प्रसंग में, पर्याप्त अनुभव रखने वाले अधिकारी। (प्रतिनियुक्ति की अवधि-मामान्यता: 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	जैसा कि संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन प्रोक्षित है।
-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------

1

2

3

4

5

6

2 उपायुक्त (ग्राम्य  
नियोजन)1 साधारण केन्द्रीय सेवा  
वर्ग I (राजपत्रित)

1300-80-1600 ₹०

लागू नहीं होता

लागू नहीं होता

7

8

9

10

लागू नहीं होता

लागू नहीं होता

लागू नहीं होता

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण  
द्वारा

11

12

13

## प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी और सदृश पदबारण करने वाले केन्द्रीय/राज्य सरकारों के अधिकारी, ऐसा न हो सकने पर ऐसे अधिकारी जो 700-1250 ₹० के बेतनमान के या समतुल्य पदों में कम से कम 5 वर्ष सेवा कर चुके हों और जिन्हें ग्राम विकास कार्यक्रमों का, अधिमानतः ग्राम्य जनशक्ति और ग्राम्य संकर्म कार्यक्रमों के विशेष संदर्भ में अनुभव हो ।  
(प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी)

लागू नहीं होता

जैसा कि संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छृङ) विनियम, 1958 के पश्चीम अपेक्षित है ।

1

2

3

4

5

6

3. सहायक आयुक्त  
(ग्राम्य नियोजन)

2 साधारण केन्द्रीय सेवा  
वर्ग I (राजपत्रित)

700-40-1100-50/2- लागू नहीं होता  
1250 रु०

40 वर्ष (सरकारी  
सेवकों के लिए शिथिल  
की जा सकती है)

7

8

9

10

#### आवश्यकः—

लागू नहीं होता

2 वर्ष

50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा  
इसके न हो सकने पर  
प्रतिनियुक्ति पर स्थाना-  
न्तरण द्वारा ।

- (i) किसी मान्यताप्राप्त विषयविद्यालय से अर्थे-  
शास्त्र में मास्टर डिग्री या समतुल्य ।
- (ii) ग्राम विकास कार्यक्रमों में कम से कम  
5 वर्ष का अनुभव (अन्यथा सुश्रृहित अभ्यर्थियों  
की वशा में आयोग के विवेकानुसार अर्हताएं  
शिथिल की जा सकती है । )

#### बांधनीय :

- (i) ग्राम विकास या स्वयं विज्ञान आदि में  
डिग्री या डिप्लोमा ।
- (ii) विशेष रूप से ग्राम जनशक्ति या ग्राम  
संकर्म कार्यक्रमों के संदर्भ में अनुभव या वित्तीय  
प्रक्रिया, लेखा आदि का ज्ञान तथा योजना  
स्कीमों या परियोजनाओं की संवीक्षा का अनुभव ।

11

12

13

#### प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :

लागू नहीं होता

जैसा कि संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श  
से छूट) विनियम, 1958 के अधीन  
अपेक्षित है ।

केन्द्रीय या राज्य सरकारों के अधीन सदृश [पद धारण करने  
वाले अधिकारी, ऐसा न हो सकने पर वे अधिकारी जो क्रमशः  
400-950 रु० और 350-900 रु० के या समतुल्य वेतनमान में  
कम से कम 5 और 8 वर्ष सेवा कर चुके हों और ग्राम विकास  
कार्यक्रमों में, विशेष रूप से ग्राम जनशक्ति/ग्राम संकर्म कार्यक्रमों  
के प्रसंग में अनुभव या वित्तीय प्रक्रिया, लेखा आदि का ज्ञान  
तथा योजना स्कीमों या परियोजनाओं की संवीक्षा का अनुभव  
रखते हों ।  
(प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं  
होगी ।)

[सं०ए० 12011/21/71-पI]

प्रिय प्रकाश, उप सचिव ।

## (Department of Agriculture)

New Delhi, the 31st May 1972

**G.S.R. 777.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Plant Quarantine Supervisor in the Directorate of Plant Protection Quarantine and Storage, namely:—

**1 Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage (Plant Quarantine Supervisor) Recruitment Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

**2 Application**—These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

**3 Number, classification and scale of pay**—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

**4 Method of recruitment, age-limit, qualifications, etc.**—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

**5. Disqualification.**—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

**6. Power to relax.**—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded, in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

**7 Saving.**—Nothing in these rules shall affect reservation and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes Scheduled Tribes and other categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Recruitment Rules for the Post of Plant Quarantine Supervisor in the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage  
(Department of Agriculture)

Name of post	Number of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post.	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Plant Quarantine Supervisor	(Seven)	General Central Service Class III Non-Ministerial (Non-Gazetted)	Rs 130-5-160- 8-200-HB-8- 256-EB-280-10- 300.	Non-selection	Not exceeding 25 years.	Intermediate in science or Higher Secondary with Science.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in case of promotees.	Period of probation if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/ transfer, grades from which promotion/deputation/ transfer to be made.	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment.	
8	9	10	11	12	13	
No.	Two years.	50% by promotion and 50% by direct recruitment	By promotion of persons from the grades of (i) Junior Technical Assistant -25%, (ii) Laboratory - cum - Store Keeper and (iii) Laboratory Assistant, with minimum of 3 years' service in their respective grades—75%.	Departmental promotion Committee. (Class III)	Not applicable.	

## (कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 31 मई 1972

सा. का० नि० 777. —राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का करने हुए, बनस्पति रक्षण, संगरोध और संचयन-निदेशालय में बनाती संगरोध-पर्यवेक्षक के पद पर भर्ती की पद्धति, को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम बनस्पति रक्षण, संगरोध और संचयन-निदेशालय (बनस्पति-संगरोध-पर्यवेक्षक) भर्ती नियम, 1972 होगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना :—ये नियम इससे उपावद्ध अनुसूची के संभं 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।

3. संघरा, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के संभं 2 में 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोत्तर अनुसूची के संभं 5 में 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

5. निरहंसाये :—गह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है।

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुशेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. विविजकरते की व्यक्ति —जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समोचीन है वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के लिए किसी उपबंद्ध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की वाबत, आदेश द्वारा, शियल कर सकेगी।

7. अध्यावृत्ति : इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

बनस्पति रक्षण, संगरोध और संचयन-निदेशालय (कृषि विभाग) में बनस्पति संगरोध-पर्यवेक्षक के पद के लिए भर्ती नियमः—

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा
-----------	----------------	----------	---------	---------------------	-----------------------------------------------------

1	2	3	4	5	6
बनस्पति संगरोध पर्यवेक्षक	सात	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 3, अनुसविविध (आराज-पत्रित)	130-5-160-8-200-द०रो०-8-256-द०रो० <sup>॥</sup> 280-10-300 रु०	अचयन	वर्षे से अनधिक

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए प्रवेशित  
शैक्षिक और अन्य अर्हतायें

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के परिवीक्षा की अपर्याप्ति पर्याप्त हो  
लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं  
प्रोफ्रेशन की दशा में लागू होगी या नहीं

7

8

9

विज्ञान में इण्टरमीडिएट या विज्ञान के साथ उच्चतर  
मास्टर्सिक ।

नहीं

दो वर्ष

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होती या  
प्रोफ्रेशन द्वारा या प्रति-नियुक्ति/स्था-  
नान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों  
द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का  
प्रतिशत

प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति /स्थानान्तरण  
द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे समिति है तो उसकी  
प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया संरचना

जाएगा ।

यदि विभागीय प्रोफ्रेशन  
प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया संरचना

भर्ती करने में किन परि-  
स्थितियों में संघ लोक सेवा  
मायोग से परामर्श किया  
जाएगा ।

10

11

12

13

पचास प्रतिशत प्रोफ्रेशन द्वारा और निम्नलिखित श्रेणियों के व्यक्तियों की ।  
पचास प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा ॥ प्रोफ्रेशन द्वारा—

- (i) कनिष्ठ तकनीकी सहायक  
पञ्चीस प्रतिशत ;
- (ii) प्रयोगशाला-रखावाला-एवं  
भंजारी, और
- (iii) प्रयोगशाला सहायक, जिन्होंने  
अपनी-अपनी श्रेणियों में कम से  
कम तीन वर्ष सेवा की हो पञ्च-  
हस्तर प्रतिशत ।

वर्ग 3 विभागीय प्रोफ्रेशन लागू नहीं होता  
समिति

[सं० 2-1/70-पी० पी० एस०]

पी० एन० बालू  
अधिकारी, भारत सरकार ।

**MINISTRY OF INFORMATION AND  
BROADCASTING**

New Delhi, the 10th May 1972

**G.S.R. 778.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the All India Radio (Class I Posts) Recruitment, Rules, 1963, namely:—

1. (1) These rules may be called the All India Radio (Class I Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the All India Radio (Class I Posts) Recruitment Rules, 1963,

(A) for rule 5 the following rule shall be substituted:—

"5. *Disqualification.*—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule".

(B) After rule 6, the following rule shall be added namely:—

"7. *Saving.*—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard".

(C) In the Schedule for Serial No. 5 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

"5. (1) Station Director, Delhi (2) Station Director, Bombay (3) Station Director, Calcutta (4) Station Director, Madras (5) Director of Programmes (Policy) (6) Director, External Services Division (7) Director, Staff Training School (Programme) (8) Director of Sales	1 ] 1 ] 1 ] 1 ] 1 ] 1 ] 2 ] 1 ]	General Central Service Class I Gazetted	Rs. 1300-60- 1600-100-1800	Selection.	Not applicable.	
-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------	---------------------------------------------	-------------------------------	------------	-----------------	--

Note:—The posts at (1) to (8) are interchangeable.

8	9	10	11	12	13	14
---	---	----	----	----	----	----

Not applicable	Not applicable	Two years	By promotion	<i>Promotion :</i> Station Directors (Ordinary Grade) with 6 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Class I Departmental Promotion Committee.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958."
----------------	----------------	-----------	--------------	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------------------------------

[No. FI(3) /70-B(A)]

A. V. NARAYANAN, Under Secy.

सूचना और प्रकाशण बंगला

नई दिल्ली, 20 मई, 1972

जी० एस० आर० 773.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्परा के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए, राष्ट्रपति एवं द्वारा आकाशवाणी (प्रथम श्रेणी पद) भर्ती नियमावली, 1963 में अतिरिक्त संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् —

1. (1) इन नियमों को आकाशवाणी (प्रथम श्रेणी पद) भर्ती (संशोधन) नियमावली, 1972 घोषा जा सकेगा।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रबत्त होंगे।

2. आकाशवाणी (प्रथम श्रेणी पद) भर्ती नियमावली, 1963 में —

(क) नियम 5 के स्वातं पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

5. अनुसंहार :—

(क) जिसने ऐसी भृत्या/पुरुष से विवाह किया हो या करने का करार किया हो, जिसका गति / जिसकी पत्नी जीवित हो, अर्थात्

(ख) जिसने जीवित वधी/पति के होते हुए किसी अन्य व्यक्ति से विवाह किया हो या करने का करार किया हो,

वह उक्त पदों पर नियमित का बात नहीं होगा/होगी :

परम्परा विवाह के नियम सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह उस व्यक्ति पर और जिससे विवाह किया गया है, उस पर सागू होने वाले व्यक्तिक कानून के अधीन अनुशेय है तथा ऐसा विवाह के अन्य कारण हैं, तो वह ऐसे व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है ;

(ख) नियम 6 के बाव निम्नलिखित नियम जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“7. व्यावृत्ति—इस नियमों में किसी बात से उन आरक्षणीय तथा अन्य वियायतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित आदिम जाति तथा अन्य विशेष श्रेणियों से नियमित उम्मीदवारों के लिए इस संबंध में समय समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार उपलब्ध की जानी होती है” ;

(ग) अनुसूची में, कम संख्या 5 तथा इससे मंत्रधित प्रविपिटों के स्थाने पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

1	2	3	4	5	6	7
"5 (1) केन्द्र निदेशक, दिल्ली		1	सामान्य केन्द्रीय सेवा, प्रथम श्रेणी राजपत्रित	1,300-60-1,600-100- 1,800 रुपए	प्रवरण	लागू नहीं होता
(2) केन्द्र निदेशक, बम्बई	1					
(3) केन्द्र निदेशक, कलकत्ता	1					
(4) केन्द्र निदेशक मद्रास	1					
(5) कायक्रम निदेशक (नीनि)	1					
(6) निदेशक, विदेश सेवा प्रभाग	2					
(7) निदेशक, स्टाफ प्रशिक्षण स्कूल (कायक्रम)	1					
(8) विक्रम निदेशक	1					
नोट:—(1) सं लेकर (8) तक के पदों पर अदली बदली हो सकती है।						

8	9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	लागू नहो होता	दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा	पदोन्नति : वे केन्द्र निदेशक (सा- मान्य प्रेड) नियमित आधार पर नियुक्ति के उपरान्त प्रेड में 6 वर्ष की सेवा हो।	प्रथम श्रेणी विभागीय पदोन्नति समिति	जैसा कि संबंध सोक सेवा आयोग (परामर्श से दूर) विनियम, 1958 के अन्तर्गत अपेक्षित है।

[संख्या एफ० 1(3)/70—जी० (ए)]

ए० जी० नारायणन्, अवर सचिव।

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 1st May 1972

G.S.R. 779.—In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 258 of the Constitution, the President hereby entrusts to the Governments of Assam, Manipur, Meghalaya and Tripura with their consent, the functions of the Central Government under section 7 of the Explosive Substances Act, 1908 (6 of 1908).

[No. 26/2/70-GPA. II.]

AMAR SINGH, Dy. Secy.

## गृह भवालय

नई दिल्ली-1, विनांक 1 मई, 1972

जी० एस० आर० 779.—संविधान के अनुच्छेद 258 के खण्ड (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति विस्फीटक पदार्थ अधिनियम, 1908 (1908 का 6) की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार के कार्य, असम, मणीपुर, मेघालय तथा त्रिपुरा की सरकारों को, उनकी सहमति से एतद्वारा सौंपते हैं।

[सं० 26/2/70—जी० ए०-२]  
अमर सिंह, उप सचिव।

**MINISTRY OF COMMUNICATIONS**  
**(P. and T. Board)**

New Delhi, the 3rd June 1972

**G.S.R. 780.**—In exercise of the powers conferred by Sub-section (i) of the Section 36 of the India Electricity Act, 1910 (9 of 1910), the Central Government hereby appoints Shri R. Balasubramanian, Deputy General Manager, Madras Telephone District, P. & T. Department to be Electrical Inspector for Madras Telephone District in place of Shri A. Subramanian, appointed *vide* Board's notification No. 303/1/70-STA, II, dated the 28th April, 1971.

[No. 303/1/70-STA. II.]

S. C. SACHDEVA,  
Asstt. Director General (SG).

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 3 जून 1972

**ज्ञा० एस० आर० 780.**—भारतीय विद्युत् अधिनियम, 1910 (1910 का 9) के खण्ड 36 के उपखण्ड 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने डाक-तार विभाग के श्री आर० बालसुब्रह्मण्यन उप महाप्रबन्धक, टेलीफोन जिला मद्रास को मद्रास टेलीफोन जिले के लिए विद्युत निरीक्षक के तौर पर इस बोर्ड की अधिसूचना सं० 303/1/70 एस टी ए ii, दिनांक 28 अप्रैल, 1971 के अनुसार नियुक्त किए गए श्री ए० सुब्रह्मण्यन के स्थान पर नियुक्त किया है।

[सं० 303/1/70-एस०टी०ए-II.]

शिव चंद्र सचदेव,  
सहायक महानिदेशिक (एस० जी०)

New Delhi, the 14th June 1972

**G.S.R. 781.**—In exercise of the powers conferred by Section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Telegraph (Fifth Amendment) Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the first day of July 1972.

2. In rule 434 of the Indian Telegraph Rules, 1951, in Section VI, under the heading "(1) Particulars of the facility" in item (2), for the words, brackets, letters and figures "The additional charge to be levied for an Ampliphone (hard-of-hearing telephone instrument) shall be Rs. 50/- per instrument. These charges shall not be refundable in any case", the following shall be substituted, namely:—

"The additional charge to be levied for an Ampliphone (hard-of-hearing telephone instrument)

shall be Rs. 32/- per annum or Rs. 8/- per quarter or Rs. 3/- per mensem".

[No. 14-18/68-R.]

H. C. MATHUR,  
Director.

(डाक तार बोर्ड )

नई दिल्ली, 14 जून, 1972

**सं० का० मि० 781.**—भारतीय तार अधिनियम, 1885

(1885 का 13) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय तार नियम, 1951 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम भारतीय तार (पांचवां संशोधन) नियम, 1972 कहे जा सकेंगे।

(2) ये 1 जुलाई, 1972 को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खण्ड VI में "(1) सुविधा की विशिष्टियाँ" शीर्षक के अन्तर्गत मद (2) में, "एक एम्प्लीफोन (उच्च स्वर टेलीफोन उपकरण) के लिए प्रति उपकरण 50 रु० का अतिरिक्त प्रभार उद्घृहीत किया जाएगा। यह प्रभार किसी भी दशा में वापस नहीं किया जाएगा, "शब्दों, कोष्ठकों, अक्षरों और अकों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

"एक एम्प्लीफोन (उच्च स्वर टेलीफोन उपकरण) के लिए 32/- रु० वार्षिक या 8 रुपये तिमाही अथवा 3 रु० मासिक अतिरिक्त प्रभार उद्घृहीत किया जाएगा।"

[सं० 14-18/68-दर]  
निदेशक, फोन (ई)

P. & T. Board

New Delhi 13th June 1972.

**G.S.R. 782.**—In exercise of the powers conferred by sections 10 and 74 of the Indian Post Office Act, 1898 (6 of 1898), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Post Office Rules, 1933, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Post Office (Tenth Amendment) Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the first day of July 1972.

2. In the Indian Post Office Rules, 1933, for rule 85, the following rule shall be substituted, namely :—  
 "85. In addition to postage and, in the case of letters and boxes, the registration fee, the following further fees shall be charged for insurance—

FOR INSURANCE OF ALL POSTAL ARTICLES TO PAKISTAN

(1) When the value insured does not exceed Rs. 100	50 Paise
(2) When the value insured exceeds Rs. 100 but does not exceed Rs. 5,000.	50 Paise for the first Rs. 100 or fraction thereof and 30 Paise for every additional Rs. 100 or fraction thereof.
(3) When the value insured exceeds Rs. 5,000	For amounts upto Rs. 5,000 same as for item (2) above and rupee one for every Rs. 1,000 or fraction thereof in excess of Rs. 5,000.

FOR INSURANCE OF ALL POSTAL ARTICLES TO FOREIGN COUNTRIES OTHER THAN PAKISTAN

(1) Where the value insured does not Rs. 500.	Rs. 1.70
(2) For every additional Rs. 500 or fraction thereof upto Rs. 5,000	Rs. 1.50
(3) For every additional Rs. 1,000 or fraction thereof beyond Rs. 5,000 & upto Rs. 8,000	Rs. 1.00
(4) For every additional Rs. 1,000 or fraction thereof beyond Rs. 8,000 and upto Rs. 10,000	Rs. 2.00

[No. 1-14/71-R]

K. R. MURTHY,  
Director of Mails.

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 13 जून 1972

सं० का० नि० 782.—भारतीय डाकघर अधिनियम, (1898 (1898 का 6) की धारा 10 और 74 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार के भारतीय डाकघर नियम, 1933 में आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् —

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय डाकघर (वसवा-संशोधन) नियम 1972 होगा।

(2) ये 1 जूलाई 72 के/की ————— के ————— लिए प्रयुक्त होंगे।

2. भारतीय डाकघर नियम, 1933 में नियम 85 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"85. पत्रों और बक्सों की दणा में, डाक-भार और रजिस्ट्रीकरण फीस के अलावा, बीमा के लिए निम्नलिखित फीस और प्रभारित की जाएगी —

पाकिस्तान को जाने वाली सभी डाक वस्तुओं के बीमे के लिए

(1) जब बीमा किया गया मूल्य 100 रुपये से अधिक न हो 50 पैसे

(2) जब बीमा किया गया मूल्य 100 रुपये से अधिक हो, किन्तु 5,000 रुपये से अधिक न हो पहले 100 रुपये और उसके किसी भाग के लिए—50 पैसे तथा प्रत्येक अतिरिक्त 100 रुपये या उसके किसी भाग के लिए 30 पैसे।

(3) जब बीमा किया गया मूल्य 5,000 रुपये से अधिक हो 5,000 रुपये तक की रकम के लिए वही जैसा कि उपरोक्त मद संख्या (2) के लिये है तथा 5,000 रुपये या उसके किसी भाग पर एक रुपया।

पाकिस्तान से भिन्न विदेशों का जाने वाली सभी डाक वस्तुओं के बीमे के लिए

(1) जहाँ बीमा किया गया मूल्य 500 रुपये से अधिक न हो रुपये 1.70

(2) 5,000 रुपये तक प्रत्येक अतिरिक्त 500 रुपये या उसके किसी भाग के लिए रुपये 1.50।

(3) 5,000 रुपये से ऊपर और 8,000 रुपये तक प्रत्येक अतिरिक्त 1000 रुपये या उसके किसी भाग के लिए रुपये 1.00।

(4) 8,000 रुपये से ऊपर और 10,000 रुपये तक प्रत्येक अतिरिक्त 1,000 रुपये या उसके किसी भाग के लिए रुपये 2.00।

[सं० 1-14/71/आर०]

के० आर० मृति,  
निवेशक (डाक)

## MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 16th June 1972

**G.S.R. 783.**—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely:—

1. These rules may be called the Aircraft (Third Amendment) Rules, 1972.

2. In the Aircraft Rules, 1937, in rule 13A, for sub-rule (1), following sub-rule shall be substituted, namely:—

"(1) No camera or other apparatus for recording photographic impressions shall be carried in any aircraft except where—

(a) the permission for taking photographs from the air has been granted by any of the officers empowered under rule 13; or

(b) the carriage of a camera or such other apparatus by any person in the aircraft is permitted by general or special order in writing by the Director General, Deputy Director General or the Director of Regulations and Information of the Civil Aviation Department, subject to such conditions and limitations as may be specified in that order."

[No. F. Av. 11012/4/72-A/AR/AM(3)/72.]

S. N. KAUL, Dy. Secy.

## पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 जून, 1972

**सा० का० नि० 783.**—वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा वायुयान नियम, 1937 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. इन नियमों का नाम वायुयान (तृतीय संशोधन) नियम, 1972 होगा।

2. वायुयान नियम, 1937 में, नियम 13के में, उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(1) किसी भी वायुयान में फोटोग्राफिक प्रभाव अभिलिखित करने के लिए कोई कैमरा या अन्य साधित सिवाय वहाँ के नहीं ले जाया जाएगा, जहाँ—

(क) वायु से फोटो लेने की अनुज्ञा नियम 13 के अधीन संशक्त प्रधिकारियों में से किसी के द्वारा अनुदत्त की गई हो ; या

(ख) किसी भी व्यक्ति द्वारा वायुयान में कैमरा या या ऐसा अन्य साधित ले जाना नागर विमानन विभाग के महानिवेशक, उपमहानिवेशक या विनियम और सूचना निवेशक द्वारा ऐसी शर्तों और सीमाओं के प्रधानधीन अनुज्ञात किया गया हो, जो उस आवेदन में विनिविष्ट की गई हो।

[संका०ए०बी० 11012/4/72-ए०/ए०आर०/ए०एम० 3/72]

सुरेन्द्र नाथ कौल,  
उप सचिव।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

## CUSTOMS

New Delhi, the 24th June 1972

**G.S.R. 784.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary so to do, hereby prohibits absolutely the import into India of the booklet entitled "Making the Modern World"—Asia—Food and People", by Barry Williams, (edited by John Robottom, published by Longman Group Limited, London, first published 1970, and printed in Hongkong by Sheck Wah Tong Printing Press) or any extract therefrom, or reprint of, or any, translation of, or other document reproducing any matter contained in the said publication.

[No. 85-Cus/F. No. 405/71/71-Cus. III.]

P. K. KAPOOR, Under Secy.

## वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

नई दिल्ली, 24 जून, 1972

**सा० का० नि० 784.**—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में आवश्यक है, (जैहन राबीटन द्वारा सहित सम्पादित, लौग मैन, युप लिमिटेड, लंदन द्वारा प्रकाशित प्रथम प्रकाशित 1970, और थैक वाहू टॉक प्रिटिंग प्रेस द्वारा हांग कौंग ; मुद्रित) बेरी विलियम्स कृत "मैकिंग दी मार्डन वर्च-एशिया—फूड एंड पीपुल" नामक पुस्तिका या उसके किसी उद्धरण, या उक्त प्रकाशन में अन्तर्विष्ट किसी विषय के पुनः मुद्रण, या उसके किसी अनुवाद, या उसका द्रष्टव्यादन करने वाले अन्य दस्तावेज का भारत में आयात एतद्वारा पूर्ण रूप से प्रतिष्ठित करती है।

[सं० 85-सी०शु०/फा०स० 405/71/71-सी०शु०-3]

पी० के० कपूर,  
प्रबर सचिव।

## MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 31st May 1972

**G.S.R. 785.**—The following draft of certain rules further to amend the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 38 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), is published, as required by sub-section (1) of the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after thirty days on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said

draft on or before the date so specified, will be considered by the Central Government.

#### Draft rules

1. These rules may be called the Industrial Disputes (Central) Amendment Rules, 1972.

2. After rule 22 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, the following new rule shall be inserted, namely:—

**"22A-Setting aside ex-parte decision.—(1)** The Board, Court, Labour Court, Tribunal, National Tribunal or arbitrator may for sufficient cause set aside, after notice to the opposite party, the *ex-parte* decision either wholly or in part on an application made within fifteen days of the *ex-parte* decision.

(2) The Board, Court, Labour Court, Tribunal, National Tribunal or arbitrator may extend the time on sufficient cause being shown.

(3) Such an application shall be supported by an affidavit."

[No. F. S. 65012/1/72-LR. I.]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

#### श्रम और युनिवर्सि मंत्रालय

(श्रम और रेजार विभाग)

नई दिल्ली, 31 मई 1972

**सा० का० नि० 785:—** श्रोद्योगिक विवाद (केन्द्रीय) नियम, 1957 में और संशोधन करने के लिए कठिनपण नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार श्रोद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 38 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उन सभी व्यक्तियों को जानकारी देने के लिए जिनका एतद्वारा प्रभावित होना सम्भव्य है, उक्त धारा की उपधारा (1) द्वारा यथा अपेक्षित, प्रकाशित किया जाता है और एतद्वारा सूचना दी जाती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 30 दिन के पश्चात् उक्त प्रारूप पर विचार किया जाएगा।

विनिर्दिष्ट तारीख को या उसके पहले उक्त प्रारूप के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति से प्राप्त किन्ही आशेष या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जायेगा।

#### नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम श्रोद्योगिक विवाद (केन्द्रीय) संशोधन नियम, 1972 होगा।

2. श्रोद्योगिक विवाद (केन्द्रीय) नियम, 1957 के नियम 22 के पश्चात् निम्नलिखित नया नियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

"22 क - एक पक्षीय विनिश्चय का अपास्त किया जाना:—

(1) एक पक्षीय विनिश्चय के 15 दिन के अन्दर आवेदन देने पर बोर्ड, न्यायालय, श्रम न्यायालय, द्रिव्यूनल या

राष्ट्रीय द्रिव्यूनल या मध्यस्थ, विरोधी पथकार को सूचना देने के पश्चात्, एक पक्षीय विनिश्चय को पर्याप्त हेतुक के लिए पूर्णतः या भगतः अपास्त कर सकेगा।

(2) पर्याप्त हेतुक दर्णन करने पर बोर्ड, न्यायालय श्रम न्यायालय, द्रिव्यूनल, राष्ट्रीय द्रिव्यूनल या मध्यस्थ समय बढ़ा सकेगा।

(3) ऐसा आवेदन शायद पन्न द्वारा समर्थित होगा।

[एफ० स० एम० 6501/2/1/72-एल० आर०]

एम० ए-८० सहवानामन,  
अबर मन्त्रिमं

#### DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

(Company Law Board)

New Delhi, the 2nd June 1972

**G.S.R. 786.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs Notification G.S.R. 686 dated the 4th May, 1971 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as "the Notification"), the Company Law Board hereby directs that in the case of the Moran Tea Company Limited (hereinafter referred to as "the Company") being a foreign company, the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended 31st December, 1971 the company submits to the appropriate Registrars of Companies in India in triplicate its accounts for the period of 15 months from 1st January, 1971 to 31st March, 1972.

[No. F. 14(5)/72-CL. VI.]

By order of the Company Law Board.  
S. S. SINGH, Under Secy.

#### कम्पनी कार्य विभाग

नई दिल्ली, 2 जून 1972

**सा० का० नि० 786.**—भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की अधिसूचना स० सा० का० नि० 686, तारीख 4 मई, 1971 के साथ पठित, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना स० सा० का० नि० आ० 3216 तारीख 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना (जिसे इसमें इसके पश्चात् "अधिसूचना" कहा गया है।) में अंशिक उपाल्पत्तर करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निर्देश देता है कि

मैसर्स बौर्ल टी कम्पनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात कम्पनी कहा गया है) के मामले में, जो एक विदेशी कम्पनी है, उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ यही कि वे किसी विदेशी कम्पनी को अपने लागू होने के सम्बन्ध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अन्य अपवादों तथा उपान्तरों के अध्यधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थात् :—

यदि 31-12-1971 की वर्ष समाप्ति की बाबत, कम्पनी में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रार को, 1 जनवरी से 31 मार्च 1972 तक, पंद्रह मास की अवधि के लिये की तीन प्रतियाँ प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा।

[सं० फा० 14/5/72—सी० एल० 6]

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से  
एस० एस० सिंह,  
अवर सचिव, कम्पनी विधि बोर्ड

New Delhi, the 8th June 1972

Monopolies and Restrictive Trade Practices (Information) Amendment Rules, 1972.

**G.S.R. 787.**—In exercise of the powers conferred by Section 67, read with section 43 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Monopolies and Restrictive Trade Practices (Information) Rules, 1971, namely:—

1. These rules may be called the Monopolies and Restrictive Trade Practices (Information) Amendment Rules, 1972.

2. In rule 2 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices (Information) Rules, 1971, for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(1) Whenever any undertaking is called upon by a general or special order under section 43 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969, to furnish to the Central Government information concerning the activities carried on by it, the connection between it and any other undertaking or any other information relating to its organisation, business, cost of production, conduct, trade practice or management, such undertaking shall furnish, as and when required, the information called for annually or within such time as may be specified by that Government in the Order.”

[No. F. 1/1/71-M. II.]

A. K. GHOSH, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 जून 1972

एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार (जानकारी) संशोधन नियम, 1972

सांका० नि० 787—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 43

के साथ पठित धारा 67 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार (जानकारी) नियम, 1971 का संशोधन, करने के लिए निम्नलिखित नियम एवं धारा बनाती है, अर्थात् :—

1. इन नियमों का नाम एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार (जानकारी) संशोधन नियम, 1972 होगा।

2. एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार (जानकारी) नियम, 1971 के उपनियम (1) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(1) यदि कभी किसी उपक्रम, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 की धारा 45 के अधीन, किसी साधारण या विशेष आदेश द्वारा, केन्द्रीय सरकार की, उसके द्वारा किए गए क्रियाकलापों, उसके और किसी अन्य उपक्रम के बीच के संबंध के बारे में जानकारी या उससे संगठन, कारबाह, उत्पादन की लागत, संचालन, व्यापारिक व्यवहार या प्रबन्ध से संबंधित कोई अन्य जानकारी देने के लिए मांग की गई है तो ऐसा उपक्रम, जैसे ही और यदि अपेक्षित हो, प्रति वर्ष या ऐसे समय के भीतर, जो उस सरकार द्वारा उस आदेश में विनियोगित किया जाए, मांग की गई जानकारी देगा।”

[सं० फा० 1/1/71—एम०-II]

ए० के० घोष,  
अवर सचिव।

#### MINISTRY LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 5th May 1972

**G.S.R. 788.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the existing rules on the subject, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Superintendent (Library and Research) in the Department of Legal Affairs, Ministry of Law and Justice, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Ministry of Law and Justice (Department of Legal Affairs) Superintendent (Library and Research) Recruitment Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Application.**—These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. **Number, classification and scale of pay.**—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

**4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.**—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid:

Provided that the upper age limit specified for direct recruits may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the general orders of the Central Government issued from time to time.

**5. Disqualification.**—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

**6. Power to relax.**—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category or persons.

**7. Saving.**—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided to candidates belonging to Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## THE SCHEDULE

*Recruitment Rules for the post of Superintendent ( Library and Research) in the Department of Legal affairs, Ministry of Law and Justice.*

Name of the post.	No. of posts.	Classification.	Scale of pay.	Whether selection post or non-selection Post.	Age limit for direct recruits.	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Superintendent (Library and Research)	I	General Central Service Class II (Gazetted)	Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900.	Not applicable.	35 years (Re-laxable for Government servant).	<i>Essential :</i> (i) Degree in law of a recognised University or equivalent. (ii) Degree or Diploma in Library Science of a recognised University/or Institution. (iii) About 5 years experience in a responsible capacity in a library of standing. (Qualifications relaxable at Commission discretion in case of candidates otherwise well qualified). <i>Desirable :</i> Experience in work in a responsible capacity in a Law Library with particular reference to matters relating to legal referencing and legal research.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades on which promotion/deputation/transf to be made.	If a D.P.C. exists, what is its composition.	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making a recruitment.	
Not applicable.	2 years.	By direct recruitment.	Napplicable	Not applicable.	As require under the Union Public Service Commission (exemption from Consultation ) Regulations 1958.	

## विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 5 मई, 1972

सा० का० नि० 788.—गास्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक हारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस विषय के विद्यमान नियमों को अधिकात करते हुए, विधि और न्याय मंत्रालय के विधि कार्य विभाग में प्रधीक्षक (पुस्तकालय और अनुसंधान) पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्ननिबित नियम एतदद्वारा बनाते हैं, अर्थात् :—

1. सक्रिय नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम विधि और न्याय मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) अधीक्षक (पुस्तकालय और अनुसंधान) भर्ती नियम, 1972 होगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रबृत्त होंगे।

2. लागू होना :—ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनियोजित पद को लागू होंगे।

3. पद-संख्या वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उससे संलग्न वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनियोजित हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अहंताएँ :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अहंताएँ और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनियोजित हैं।

परन्तु सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विनियोजित अधिकतम आयु-सीमा, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए ग्रादेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों

और व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्गों के अन्यथियों के मामले में शिथिल की जा सकेगी।

## 5. निरहंताएँ :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए की ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रबंधन से छूट दे सकेगी।

6. शिथिल करने की शर्तिः—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हे लेखबद्ध करके और संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबंध को व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग को बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

7. अधावृति :—इन नियमों में की कोई भी बात, इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्गों के लिए उपबंध करने के लिए अपेक्षित आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी।

## अनुसूचि

विधि और न्याय मंत्रालय के विधि कार्य विभाग में प्रधीक्षक (पुस्तकालय और अनुसंधान) के पद के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अवैयन पद	सीधे जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा
1	2	3	4	5	6	
प्रधीक्षक (पुस्तकालय और अनुसंधान)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग II (राजपत्रित)	31-26-500-30-30-800-10-10-30-830-35-100 रु०	लागू नहीं होता	35 वर्ष (सह-कारी सेवकों के लिए शिथिल-नीय)	

भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और  
अन्य अर्हतायें

सीधे भर्ती किए ज ने वाले व्यक्तियों के परिवेश की अवधि, यदि कोई हो  
लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं  
प्रोत्साहन की दशा में लागू होंगी या  
नहीं।

7

8

9

## आवश्यक

लागू नहीं होता

2 वर्ष

- (i) विधि में किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समतुल्य।
- (ii) पुस्तकालय विज्ञान में किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय तथा संस्था की डिग्री या डिप्लोमा
- (iii) छातिप्राप्त किसी पुस्तकालय में उत्तरदायी हैमियत में लगभग 5 वर्ष का अनुभव।

(अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में आयोग के विवेक पर अर्हतायें शिखिलनीय)

## बांधनीय

विधिक निर्देशन और विधिक अनुभंगान संबंधित विषयों के प्रति विशिष्ट निर्देश के साथ किसी विधि पुस्तकालय में उत्तरदायी हैमियत में कार्य का अनुभव।

भर्ती की पद्धति/भर्ती प्रोत्साहन द्वारा प्रोत्साहन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण यदि विभागीय प्रोत्साहन गमिति या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां हो तो उस की संरचना द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा जिनसे प्रोत्साहन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा भरी जाने वाली रिक्तियों की नान्तरण किया जाएगा प्रतिशतता

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

10

11

12

13

सीधी भर्ती द्वारा

लागू नहीं होता

लागू नहीं होता

संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम 1958 के अधीन यथा अपेक्षित।

[सं० फा० 116/67-प्रशा० (वि० फा०)]

एन० डी० सिंहा,  
अवर सचिव, भारत सरकार।

(विधायी विभाग)

नई दिल्ली, 9 मई 1972

शुद्धि-पत्र

बी० एस० आर० 789.—भारत के राजपत्र, असाधारण, तारीख 30 दिसम्बर, 1971 भाग 2, खण्ड 3(i) में पृष्ठ 1430 पर प्रकाशित भारत सरकार के विधि और न्याय मंत्रालय (विधायी विभाग) की अधिसूचना संख्या सा० का० नि० 1967 तारीख 30 दिसम्बर, 1971 के हिन्दी पाठ के पैरा 2 में “1955” अंकों के निए “1965” अंक पढ़ें।

[सं० का० 7(5)/71-विधायी 11]

एच० सी० विरमानी,  
अवर सचिव।

CABINET SECRETARIAT  
(Department of Personnel)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 13th June 1972

G.S.R. 791.—In the Department of Personnel Notification No. 13/7/71-AIS(I)—E, dated the 20th January, 1972, published under G.S.R. No. 43(E) in the Gazette of India Part II Section 3(i) dated the 20th January, 1972:—

- (i) The entry ‘Chairman and Member Board of Revenue’ occurring under Government of Assam in Clause 2(a) (1) shall be substituted by words ‘Chairman Board of Revenue’.
- (ii) The words ‘Member Board of Revenue’ shall be added under Government of Assam in Clause 2(b) (1).

[No. 3/3/72-AIS(II).]

B. NARASIMHAN, Under Secy.

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 17th May, 1972

G.S.R. 790.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri Kunwar Sen as Food Inspector for the local area declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) No. 14-21/71-PH., dated the 6th October, 1971.

[No. F. 14-24/71-P.H.]

K. SATYANARAYANA,  
Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 17 मई, 1972

बी० एस० आर० 790.—खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (“1954 का 37”) की धारा 9 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की 6 अक्टूबर, 1971 की अधिसूचना संख्या एफ० 14-24/71-जन स्वा० द्वारा ओषित स्थानीय थेल के लिए श्री कुंवर सेन को एतद्वारा खाद्य नियोजक करती है।

[संख्या एफ० 14-24/71-जन स्वा०]

के० सत्यनारायण,  
अवर सचिव।

मंत्रिमण्डल सचिवालय

(कार्यिक विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 13 जून, 1972

सा० का० नि० 791.—दिनांक 20 जनवरी, 1972 के भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3(i) में सा० का० नि० सं० 43 (ई) के अन्तर्गत प्रकाशित कार्यिक विभाग की अधिसूचना संख्या 13/7/71—भा० से० (1) -(ई) दिनांक 20 जनवरी, 1972 में :—

- (i) खण्ड 2(क) (i) में असम सरकार के अन्तर्गत अंकित प्रविष्टि ‘अध्यक्ष तथा सदस्य, राजस्व बोर्ड’ के स्थान पर ‘अध्यक्ष, राजस्व बोर्ड’ शब्द प्रतिस्थापित कर दिये जाएं,
- (ii) खण्ड 2(ख) (i) में असम सरकार के अन्तर्गत ‘सदस्य, राजस्व बोर्ड,’ शब्द जोड़ दिये जाएं।

[सं० 3/3/72 अ० आ० से० (II)]

बी० नरसिंहन,  
अवर सचिव।

